RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:327 ता. 20 जून 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

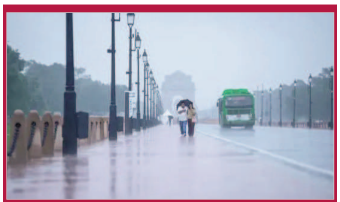

मानसून के थम जाने से जून में 20 प्रतिशत कम हुई बारिश

नई दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में एक जून से मानसून अवधि की शुरुआत के बाद से 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है। अगले तीन से चार दिनों में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मानसून आने की स्थिति बन रही हैं। इसके बाद 26 मई को चक्रवात रेमल के साथ ही मानसून दक्षिण के अधिकांश हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के मध्य के कुछ हिस्सों तक पहुंचा था। केरल और पूर्वोत्तर राज्यों में सामान्य से क्रमशः दो और छह दिन पहले 30 मई को मानसून ने दस्तक दे दी थी। केरल, कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सभी हिस्सों, दक्षिणी महाराष्ट्र के अधिकतर क्षेत्रों, दक्षिणी छत्तीसगढ़, दक्षिणी ओडिशा के कुछ भागों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के अधिकतर हिस्सों, सिक्किम और सभी पूर्वोत्तर राज्यों के अधिकांश हिस्सों में 12 जून तक मानसून दस्तक दे चुका था। मौसम विभाग के मुताबिक भारत में एक से 18 जून के बीच 64.5 मिमी बारिश हुई, जो लंबी अवधि के 80.6 मिमी के औसत (एलपीए) से 20 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग ने बताया कि एक जून से अब तक उत्तर-पश्चिम भारत में 10.2 मिमी बारिश (सामान्य से 70 प्रतिशत कम), मध्य भारत में 50.5 मिमी (सामान्य से 31 प्रतिशत कम), दक्षिण प्रायद्वीप में 106.6 मिमी (सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक) तथा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व भारत में 146.7 मिमी (सामान्य से 15 प्रतिशत कम) बारिश हुई। दक्षिण-पश्चिम मानसून 19 मई को निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में पहुंच गया था।

आंतकी फंडिंग मामले में गैंगस्टर अमन साहू के ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

रांची । एनआईए ने आंतकी फंडिंग मामले में झारखंड के गैंगस्टर अमन साहू के रांची और हजारीबाग स्थित तीन ठिकानों पर करीब छह घंटे तक छापेमारी की। इस दौरान एक एसयूवी, सीसीटीवी का डीवीआर और बैंक ट्रांजैक्शन से जुड़े कागजात जब्त किए गए। अमन साहू पलामू जेल में बंद है, लेकिन उसका टेरर नेटवर्क झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में बदस्तूर जारी है। हाल के महीनों में उसके गैंग से जुड़े कई अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया हैं कि उसके संबंध कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से हैं। अमन रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के मतवे गांव का रहने वाला है। एनआईए की अलग-अलग टीम ने बुधवार सुबह पांच बजे तीनों ठिकानों पर एक साथ रेड डाली। दोपहर करीब 12.30 बजे छापेमारी खत्म होने के बाद टीम निकल गईं। अमन के गुर्गे झारखंड के हजारीबाग, चतरा, लातेहार, रामगढ़ और पलामू के कोयला क्षेत्रों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के ठेकेदारों और कारोबारियों से लगातार रंगदारी वसूलते रहे हैं। गिरोह ने हत्या की एक दर्जन से भी ज्यादा घटनाएं अंजाम दी है। पुलिस ने रायपुर में एक कोयला कारोबारी और रोड कांट्रैक्टर की हत्या करने पहुंचे अमन साहू गैंग के चार शूटर को 26 मई को गिरफ्तार किया था। इस मामले में रायपुर कोर्ट ने अमन साहू से पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट को मंजूरी दी है। जल्द ही पलामू जेल से रायपुर ले जाया जाएगा।

बीएसएफ ने कच्छ सीमा से पाकिस्तानी घुसपैठिये को पकड़ा

अहमदाबाद । गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ से बोर्डर सिक्युरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने पाकिस्तानी घुसपैठिये को दबोच लिया. घुसपैठिया कच्छ के रेगिस्तान की सीमा पर लगी फेंसिंग क्रोस कर भारत में घुसने की कोशिश कर रहा था. प्राथमकि जांच में पाकिस्तानी घुसपैठिये के पास से कोई संदिग्ध या जोखमी वस्तु नहीं मिली. जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान कच्छ के रेगिस्तानी सीमा पर गश्त कर रहे थे. उस वक्त बोर्डर पिलर नंबर 1125 के निकट पाकिस्तानी घुसपैठिया भारत में घुसने का प्रयास कर रहा था. बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठिये के पकड़ लिया. पकड़े गए शख्स का नाम अफजल है और वह पाकिस्तान के सियालकोट का रहनेवाला है. पकड़े जाने के बाद अफजल ने बीएसएफ के जवानों से पानी और सिगरेट की मांग की. बीएसएफ जवानों ने जिस जगह से घुसपैठिये को पकड़ा है, वहां से पाकिस्तान की अलीबंदर नामक जगह केवल 18 किलोमीटर दूर है. 30 वर्षीय पाकिस्तानी घुसपैठिये अफजल की तलाशी में कोई जोखमी या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई. फिलहाल अफजल से सुरक्षा एजंसियां पूछताछ कर रही है.

पीएम मोदी ने किया नालंदा विश्वविद्यालय के नए कैंपस का उद्घाटन

नालंदा में मोदी बोले- आग से किताबें जलीं हैं पर ज्ञान को नहीं मिटा सकते

नालंदा। (एजेंसी)

भारत का गौरव कहे जाने वाले नालंदा विश्वविद्यालय देश की धरोहर है। नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री का कार्यकाल संभालने के 10 दिनों के अंदर बिहार के नालंदा पहुंचा हूं। नालंदा आना मेरा सौभाग्य है। नालंदा एक नाम नहीं पहचान है। उन्होंने कहा कि आग की लपटों में भले ही किताबें जल गयी हो लेकिन ज्ञान नहीं मिटाया जा सकता है। नालंदा का यह नया कैंपस विश्व को भारत के सामर्थ्य का परिचय देगा। नालंदा यूनिवर्सिटी का निर्माण 455 एकड़ में किया गया। वर्तमान समय मे नालंदा विश्वविद्यालय में कुल 17 देश के 400 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के कुल सात विषयों की पढ़ाई हो रही है। जबकि दो विषय इस शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाला है। वहीं डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए कुछ 10 विषयों की पढ़ाई हो रही है। इस नालंदा विश्वविद्यालय कैंपस में एशिया का सबसे बड़ी लाइब्रेरी बन रही है। यह कयास भी लगाया जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस विश्वविद्यालय में दुनिया का सबसे बड़े लाइब्रेरी बनाने की मांग प्रधानमंत्री के समक्ष रख सकेंगे। तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के द्वारा 19 सितंबर 2014 को इसके निर्माण का नींव रखी गई थी। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पहली बार बिहार पहुंचे हैं। लोकसभा चुनाव रिजल्ट और तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी आज बिहार दौरे पर पहुंचे हैं। पटना आज सुबह करीब 9:20 बजे गया एयरपोर्ट पहुंचे। गया एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री जीतन मांझी एवं सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार समेत अन्य एनडीए के अन्य नेताओं ने पीएम मोदी का स्वागत किया। वहीं इसके बाद पीएम मोदी सेना के विशेष विमान से नालंदा के लिए रवाना हो गए।

16 सौ साल पुराने खंडहर भी देखे

लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार बिहार पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नालंदा यूनिवर्सिटी के नए स्वरूप का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने 15 मिनट तक 1600 साल पुराने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर का दौरा किया और यूनिवर्सिटी परिसर में पौधा भी लगाया। पीएम के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी नालंदा में मौजूद हैं। कार्यक्रम में 17 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। नालंदा विश्वविद्यालय के अंतरिम

कुलपति प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। प्राचीन नालंदा यूनिवर्सिटी के नए कैंपस के उद्घाटन के बाद मंत्रियों के साथ पीएम की तस्वीर शेयर की गई है. प्रधानमंत्री ने नालंदा यूनिवर्सिटी के नए स्वरूप को देश को समर्पित किया है. पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष के बार में भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण की पटना सर्किल हेड गौतमी भट्टाचार्या से जानकारी प्राप्त की।

मुंबई के 50 से ज्यादा अस्पताल, कॉलेज और मनपा मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी,

अलर्ट मोड पर पुलिस

मुंबई। (एजेंसी)

मुंबई में 50 से ज्यादा अस्पताल, कॉलेज और मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय को बम से उड़ाने के धमकी भरे इमेल मिलने से हड़कंप मचा है. मुंबई पुलिस सूत्रों ने कहा कि मुंबई के कई प्रसिद्ध हॉस्पिटल में धमकी भरा ईमेल मिला है, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि ईमेल भेजने वाले ने अपने ईमेल में दावा किया कि अस्पतालों के बिस्तरों के नीचे और बाथरूम में बम लगाए गए हैं और वे अस्पतालों को नष्ट कर देंगे. एक अधिकारी ने कहा कि धमकी भरा ईमेल भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन नेटवर्क का इस्तेमाल कर सारे ईमेल भेजे हैं. सूत्रों ने यह भी बताया कि यह ईमेल मुंबई के जसलोक अस्पताल, रहेजा अस्पताल, सेवन हिला अस्पताल, कोहिनूर अस्पताल, केईएम अस्पताल, जेजे अस्पताल, सेंट जॉर्ज अस्पताल और अन्य अस्पताल को आया है. मुंबई पुलिस को प्राथमिक जांच के दौरान पता चला कि, मुंबई के कई नामी अस्पतालों को उनके ईमेल आईडी पर यह धमकी भरा ईमेल मिला है. अधिकारी के मुताबिक धमकी भरा ईमेल, एक ही ईमेल में लिखकर 50 से ज्यादा अस्पतालों को भेजा गया है. एक पुलिस अधिकारी ने आगे बताया कि जैसे ही अस्पतालों को धमकी भरा ईमेल मिला, उन्होंने पुलिस को सूचित किया. इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने अस्पतालों में जाकर जांच की लेकिन पुलिस को किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली. पुलिस ने बताया धमकी भरा ईमेल करने वाले का अभी तक कुछ पता नही चल पाया है. पुलिस यह भी पता लगा रही है की इस तरह के धमकी भरे ईमेल करने वाले का इस ईमेल करके के पीछे का क्या मकसद था.

- कॉलेज में भी आया धमकी भरा ईमेल

अस्पतालों के अलावा मुंबई के हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स में भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया. ईमेल करने वाले ने ईमेल में कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी दी. धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने इस बात की सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन को दी, जिसके बाद लोकल पुलिस और बॉम्ब स्कॉड के अधिकारी पहुंच जांच पड़ताल की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध बरामद नही हुआ. मुंबई की वीपी रोड पुलिस स्टेशन इस मामले की जांच कर रही है.

- मनपा मुख्यालय को मिला धमकी भरा ईमेल

अस्पताल और कॉलेज ही नहीं बल्कि मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय के पास भी धमकी का मेल आया. ईमेल करने वाले ने हेड क्वॉटर को बम से उड़ाने की धमकी दी. पुलिस ने बीएमसी हेड क्वॉर्टर की जांच की लेकिन पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. इस मामले में पुलिस अज्ञात ईमेल करने वाले शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर रही है.

राहुल गांधी का दावा.......कभी भी गिर सकती हैं एनडीए सरकार

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को बहुमत नहीं मिलने की दिशा में इस बार मोदी सरकार को पांच साल का कार्यकाल पूरा करने में कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

राहुल गांधी ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का दायरा बढ़ा है। भारतीय राजनीति में बड़े बदलाव हुए हैं। इस बार जीत के आंकड़ें हैं कि एक छोटा सी चूक मोदी सरकार को गिरा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के गुट में बड़ा असंतोष है। पीएम मोदी गुट के कई नेता हैं, जो हमारे संपर्क में हैं। इसतरह एक छोटी से गलती और गठबंधन के सहयोगी मुंह मोड़ सकते हैं।

बता दें कि राहुल गांधी ने 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों को बीजेपी की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ जनादेश बताया था।

बिहार में उद्घाटन से पहले ही 12 करोड़ की लागत से बना पुल गिरा

-केंद्रीय मंत्री ने दी सफाई, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने करवाया निर्माण

अररिया। (एजेंसी)

बिहार के अररिया जिले में 12 करोड़ की लागत से एक पुल का निर्माण किया था जिसका उद्घाटन होना बाकी था वह पुल चालू होन से पहले गिर गया। जिस पर लोग सवाल उठा रहे हैं। अब इस पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सफाई दी है। बिहार में बकरा नदी पर नवनिर्मित पुल का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। बिहार की नीतीश सरकार की ओर से बनाए गए इस पुल को जनता के लिए अभी नहीं खोला गया था क्योंकि पुल तक पहुंचने के लिए कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाना है। ये पुल अररिया जिले के कुर्सा कांटा और सिकटी क्षेत्रों को जोड़ता है। बकरा नदी पर बने नए पुल का पिलर अचानक धंस गया। 12 करोड़ की लागत से बने इस पुल का एक हिस्सा नदी में समा गया। इस पुल का उद्घाटन भी नहीं हुआ है। स्थानीय विधायक विजय कुमार मंडल ने कहा कि पुल चालू होने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया एक्स पर बयान जारी कर कहा कि बिहार के अररिया में दुर्घटनाग्रस्त पुल का निर्माण केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत नहीं हुआ है। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत इसका काम चल रहा था। पुल के दो से तीन पिलर नदी में धंस गए और पुल गिर गया। पुल निर्माण करने वाली एजेंसी और प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने पुल निर्माण के लिए काफी प्रयास किए थे। पुल गिरने की सूचना पर वह भी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि ये पुल पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। ये दो प्रखंडों को सीधे जोड़ने का माध्यम बनता, लेकिन उद्घाटन के पहले ही नदी में समा गया। बिहार ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से पुल बनाया गया था। जमीन पर ही पिलर गाड़कर तैयार किया गया था।

इंडिगो विमान को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई में हुई सुरक्षित लैंडिंग

एयरपोर्ट पर सुरक्षादल और सीआईएसएफ ने मोर्चा संभाला

मुंबई। (एजेंसी)

चेन्नई से मुंबई की इंडिगो फ्लाइट में बम से उड़ाने की धमकी मिली। फ्लाइट बुधवार रात मुंबई में सुरक्षित उतर गई। इंडिगो ने एक बयान जारी कर कहा कि सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया है। चेन्नई से मुंबई जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 5149 को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मुंबई में उतरने पर, चालक दल ने प्रोटोकॉल का पालन किया और विमान को एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यह धमकी भरा मेल एयरलाइंस के मुख्यालय में आया था। मेल मिलते ही एयरलाइंस ने पुलिस को अलर्ट किया। एयरपोर्ट पर सुरक्षादल पहुंच गए थे। सीआईएसएफ ने मोर्चा संभाला। पुलिस ने तलाशी ली और कहा कि उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अफसरों ने बताया कि मुंबई में उतरने पर, चालक दल ने प्रोटोकॉल का पालन किया और विमान को एक आइसोलेशन बे में ले जाया गया। सभी यात्री विमान से सुरक्षित उतर गए।

बता दे इससे पहले मंगलवार को मुंबई के 50 से अधिक अस्पतालों को बम से उड़ाने की धमकी वाला मेल मिला था। मुंबई पुलिस के मुताबिक ईमेल भेजने वाले ने दावा किया कि अस्पतालों के बिस्तरों के नीचे और बाथरूम में बम लगाए। जिन अस्पतालों को धमकी भरा मेल मिला, उनमें मुंबई के जसलोक अस्पताल, रहेजा अस्पताल, सेवन हिल अस्पताल, कोहिनूर अस्पताल, केईएम अस्पताल, जेजे अस्पताल और सेंट जॉर्ज अस्पताल शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि ईमेल भेजने वाले ने मेल भेजने के लिए वीपीएन नेटवर्क का इस्तेमाल किया था, जिसे बीबल डॉट कॉम नाम की वेबसाइट से भेजा गया था। सूचना मिलने पर पुलिस दल और बम निरोधक दस्ते ने अस्पतालों की तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

वायनाड सीट दोबारा जीतना कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती

पीएम मोदी लगाएंगे पूरी ताकत , राहुल के इस्तीफे के बाद 98 पर पहुंची कांग्रेस

-वायनाड सीट पर अब प्रियंका की दाबेदारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव 2024 चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस 99 सीटों पर जीत दर्ज करा, देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के बन गई है। यहां दो सीटों से जीत दर्ज कराने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया, जिससे अब कांग्रेस के खाते में कुल 98 सीटें रह गई हैं। राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की परंपरागत रायबरेली सीट को अपने पास ही रखा है। लोकसभा सचिवालय ने इस बात की जहां जानकारी दी, वहीं कांग्रेस ने बताया कि अब वायनाड सीट से प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाकर पार्टी चुनाव में उतरेगी। वायनाड को दोबारा जीतना कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती का काम होगा, क्योंकि पीएम मोदी अब चाहेंगे कि यह सीट अब उनके पाले में आए।

लोकसभा बुलेटिन में बताया गया है कि राहुल गांधी का इस्तीफा 18 जून को स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद तमाम कयासों और अटकलों को विराम देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि राहुल गांधी के वायनाड से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई सीट पर प्रियंका गांधी पार्टी की प्रत्याशी होंगी और वो ही वायनाड उपचुनाव लड़ेंगी। राहुल गांधी ने इस बात की घोषणा करते हुए पत्रकारों से बात भी की। इस दौरान वो काफी भावुक नजर आए। भावना बहे राहुल ने कहा कि अब रायबरेली और वायनाड को दो-दो सांसद मिलेंगे। दरअसल उपचुनाव जीतने के बाद प्रियंका गांधी वायनाड का प्रतिनिधित्व कर सकेंगी और रायबरेली से राहुल हैं। ऐसे में दोनों ही लोकसभा सीटों पर राहुल और प्रियंका मिलकर काम करते देखे जाएंगे, जिसकी घोषणा खुद राहुल और प्रियंका कर चुके हैं। उनके इस्तीफे के बाद लोकसभा में कांग्रेस की सीटों की संख्या 99 से घटकर 98 हो गई है। वायनाड सीट के उपचुनाव को लेकर कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी को पूरे-जोर-शोर के साथ मैदान में उतरना होगा, जो मेहनत पहले की गई थी, उससे कहीं ज्यादा करनी होगी, तभी यहां से प्रियंका को जीत हासिल हो सकेगी। इसकी वजह बताने वाले भी यह कह रहे हैं कि चूंकि केंद्र में तीसरी बार प्रधानमंत्री बने

नरेंद्र मोदी इस सीट को अपने पाले में लाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। इसलिए अब चुनौती बड़ी है इसलिए हर पल इस पर नजर रखने और रणनीति के तहत काम करने की आवश्यकता है।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका

पूर्व सीएम बंसीलाल की पुत्रवधु और पोती ने पार्टी को कहा अलविदा

चंडीगढ़। (एजेंसी)

हरियाणा में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव से पहले झटका लगा है। यहां पांच बार की विधायक किरण चौधरी ने पार्टी छोड़ दी है उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया है। किरण चौधरी हरियाणा के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधू हैं। उनके दिवंगत पति सुरेंद्र सिंह हरियाणा के कृषि मंत्री रहे थे। जानकारी के मुताबिक किरण चौधरी ने मंगलवार को अपना इस्तीफा कांग्रेस हाईकमान को भेजा दिया है। राजनीतिक हलको में चर्चा है कि किरण बीजेपी में शामिल हो सकती हैं। चौधरी बंसीलाल को हरियाणा का निर्माता कहा जाता है और उनका खासा प्रभाव हरियाणा में है। इसके अलावा एक अलग वोट बैंक केवल भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि समूचे हरियाणा में पाया जाता है। किरण चौधरी के बीजेपी में जाने से जहां बीजेपी को भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा के नौ विधानसभा क्षेत्रों में मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, हिसार-फतेहाबाद समेत पूरे हरियाणा में फायदा भी होगा। वह हरियाणा के तीन लालों की विरासत लेकर साथ चल रही हैं। यह पहला मौका होगा जब हरियाणा के तीनों लाल बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के बेटे और बहू कांग्रेस छोड़ चुके हैं। काफी समय तक इन तीनों लालों ने हरियाणा पर राज किया है। अब यह तीनों लाल का परिवार बीजेपी में शामिल हो गया है। देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला बीजेपी में हैं। भजनलाल के बेटे-बहू कुलदीप बिश्नोई, रेणुका बिश्नोई और भव्य बिश्नोई भी बीजेपी ज्वाइन कर चुके हैं। वहीं अब बंसीलाल की बहू और पोती किरण चौधरी और श्रुति चौधरी भी बीजेपी में जाने की तैयारी में हैं। बता दें किरण चौधरी कांग्रेस की नेता थी। वह नेता प्रतिपक्ष भी रहीं लेकिन भूपेंद्र हुड्डा से उनकी पटरी नहीं बैठ पा रही थी। किरण चौधरी एसआरके गुट से थी। एसआरके यानी शैलजा, सुरजेवाला और किरण. बड़ी बात है कि किरण अपनी बेटी के लिए हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टिकट मांगा था, लेकिन कांग्रेस ने राव दान सिंह को टिकट दिया था। किरण चौधरी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा कि हरियाणा में एक परिवार कांग्रेस को पर्सनल प्रॉपर्टी समझता है। उन्होंने कहा कि उन्हें बेइज्जत भी किया गया। उन्होंने इस्तीफा देने के पीछे बिना नाम लिए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार बताया। उधर, हरियाणा के कांग्रेस के कई कद्दावर नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर आरोप लगाकर पार्टी को अलविदा कह चुके हैं। इसी फेहरिस्त में राव इंद्रजीत सिंह, चौधरी बीरेंद्र सिंह, चौधरी धर्मवीर सिंह, रमेश कौशिक अशोक तंवर, रणजीत चौटाला, नवीन जिंदल और सावित्री जिंदल के नाम प्रमुख हैं।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले 24 घंटे में 15 से ज्यादा लोगों की मौत

लू और हीट स्ट्रोक से मरने की आशंका, पोस्टमॉर्टम के बाद होगा खुलासा

नोएडा।

दिल्ली-एनसीआर के नोएडा और सेंट्रल नोएडा जोन में पिछले 24 घंटे में करीब 15 लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हुई है। मौत का कारण जानने के लिए पुलिस शवों का पोस्टमार्टम करवा रही है। आशंका जताई जा रही है कि ये सभी मौते लू और हीट स्ट्रोक की वजह से हुई हैं।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली सेक्टर-142 क्षेत्र के गढ़ी शहदरा गांव के एक व्यक्ति की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान मिर्जापुर के शिव कुमार के रूप में हुई। वहीं गांव शहदरा में ही मणिपुर इंफाल के थोकचोम इनगोबी सिंह की भी मौत हुई है।

कोतवाली एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के नगली साकपुर में ब्रह्मानंद की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। वह मूलरूप से बंगाल के रहने वाले था उन्हें गंभीर हालत में सेक्टर-24 स्थित ईएसआइसी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। वहीं गांव नगली बाजितपुर में श्यामलाल बसात की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र के खोड़ा तिराहे पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खोड़ा कालोनी के विजय को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-41 के गेट नंबर पांच के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मंगलवार सुबह मिला। वहीं बोटैनिकल गार्डन के पास सुरेश चंद्र शर्मा का शव पुलिस को मिला। वहीं बदरपुर दिल्ली के रामजी लाल का शव मंगलवार सुबह सेक्टर-37 के पास मिला। कोतवाली फेज-दो क्षेत्र के सेक्टर-110 के मंगल सिंह की मंगलवार को संदिग्ध हालत में मौत हो गई।

वहीं क्षेत्र के अशोक को गंभीर हालत में भंगेल के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। कोतवाली सेक्टर-58 क्षेत्र के गांव नवादा में सिक्योरिटी गार्ड की संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। इसके अलावा सेक्टर-39 क्षेत्र की सलारपुर कालोनी में अनिल कुमार मंगलवार को अपने घर में मृत मिले। कोतावली सेक्टर-126 क्षेत्र में कचरा बीनने वाले एक व्यक्ति की सेक्टर-125 में मौत हो गई।

तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव...एक्शन में कांग्रेस

24 जून से शुरू होगा बैठकों का दौर

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा चुनाव में संतोषजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब संगठन और उन राज्यों के लिए रणनीति बनाने को लेकर काम में जुट गई हैं जहां चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी इस लेकर 24 जून से रणनीतिक बैठकें शुरू करने वाले हैं। इस रणनीति की शुरुआत पार्टी झारखंड के साथ करेगी। महाराष्ट्र के लिए पार्टी की रणनीतिक बैठक 25 जून को होगी और हरियाणा के नेताओं से 26 जून को मुलाकात होगी। जम्मू और कश्मीर के लिए रणनीतिक बैठक 27 जून को होगी। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव साल के आखिर में होने हैं। कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल ने कहा, अपने पक्ष में बने माहौल को आगे बढ़ाते हुए हम तीन राज्यों में होने वाले चुनावों में शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी चुनाव वाले राज्यों के सीनियर नेताओं के साथ रणनीतिक बैठक करने वाले हैं। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पार्टी की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष वाई. एस. शर्मिला से अपने घर पर मुलाकात की। हाल ही में हुए चुनाव में हार के बाद आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को फिर से जीवित करने की जिम्मेदारी शर्मिला को सौंपी गई है। महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव इसी साल के आखिर में होने हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर 2024 को खत्म होगा। झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी, 2025 को खत्म हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर से पहले चुनाव हो जाना चाहिए।

कोर्ट ने हटाई रोक.....रिलीज होगी अन्नू कपूर की हमारे बारह

महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म बताया

मुंबई । (एजेंसी)

विवादों में घिरी अन्नू कपूर की फिल्म हमारे बारह के लिए बुधवार को राहत भरी खबर आई है। फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को बॉम्बे हाईकोर्ट ने हटा दिया है। कोर्ट ने हमारे बारह को महिलाओं का उत्थान करने वाली फिल्म बताया है। हमारे बारह 14 जून को थिएटर्स में रिलीज होनी थी, लेकिन ठीक एक दिन पहले कोर्ट ने रिलीज पर रोक लगा दी। वहीं, अब फिल्म को रिलीज करने की अनुमति दे दी गई है। हमारे बारह के ट्रेलर रिलीज से ही फिल्म विवादों में घिर गई थी। फिल्म पर आरोप लगे थे कि ये इस्लाम धर्म और शादीशुदा मुस्लिम महिलाओं का अपमान करती है। मामला जब बॉम्बे हाई कोर्ट तक पहुंचा, तबहमारे बारह की रिलीज पर रोक लगी, लेकिन सुनवाई चल रही थी। लेकिन अब कोर्ट ने हमारे बारह को रिलीज की अनुमति दे दी। जस्टिस बीपी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदौस पूनीवाला की बेंच ने हमारे बारह की रिलीज की अनुमति देकर कहा कि ये मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाती है और न ही कुरान की शिक्षाओं को लेकर कोई गलत बात करती है। न्यायालय ने कहा कि ये फिल्म, जो जनसंख्या वृद्धि के कारण के कारण जबरदस्त चर्चा का विषय हुई है, असल में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है।

दलाई लामा से मिलने भारत आए अमेरिकी सांसद पर भड़का चीन

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अमेरिकी सांसदों के दल को भारत आए हुए 24 घंटे भी नहीं हुए कि चीन ने आंखे तरेरना शुरु कर दिया है। यहां अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य तिब्बत के आध्यामिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात करेंगे। लगभग 2 साल पहले ताइवान का दौरा करके सुर्खियों में आई अमेरिकी कांग्रेस की पूर्व स्पीकर नैन्सी पेलोसी भी इस समूह का हिस्सा हैं। यह दल यूएस हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल के नेतृत्व में धर्मशाला का दौरा कर रहा है। मैककॉल और पेलोसी के अलावा, प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य, मैरिएनेट मिलर, ग्रेगरी मीक्स, निकोल मैलियोटैकिस, जिम मैकगवर्न और एमी बेरा शामिल हैं। पेलोसी ने अगस्त 2022 में ताइवान का दौरा किया था और चीन ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की वहां यात्रा की तीखी आलोचना की थी।

बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बाइडेन से अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव दोनों द्वारा पारित हो चुके बायपार्टीशन तिब्बत पॉलिसी बिल पर हस्ताक्षर न करने के लिए कहा है। वाशिंगटन में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विधेयक को कानून बनाने के लिए बाइडेन के हस्ताक्षर का इंतजार है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बुधवार को अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने तिब्बत-चीन विवाद के लिए इस बिल को मंजूरी दी थी। इस बिल को सीनेट से पहले से पास करा लिया गया था। साथ ही यह विधेयक तिब्बत के इतिहास, लोगों और संस्थानों के बारे में बीजिंग द्वारा फैलाई जा रही 'भ्रामक सूचना' का मुकाबला करने के लिए धनराशि मुहैया कराएगा। इस विधेयक का उद्देश्य तिब्बत पर अपने नियंत्रण के बारे में चीन के बयान का मुकाबला करना और चीनी सरकार और दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देना है। धर्मशाला के गग्गल एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद, मैककॉल ने इस दौरे के बारे में बताया, हम हिज होलीनेस दलाई लामा से मिलने और कई चीजों के बारे में बात करने के लिए उत्साहित हैं। इसमें कांग्रेस द्वारा पारित विधेयक भी शामिल है, जिसमें मूल रूप से कहा गया है कि अमेरिका तिब्बत के लोगों के साथ खड़ा है।

हिमाचल के सीएम सुक्खू नहीं चाहते कांग्रेस में परिवारवाद चले पर क्या करें...

शिमला। (एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू परिवारवाद को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन उनकी पत्नी कमलेश ठाकुर को देहरा विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजनैतिक परिस्थितयां और कांग्रेस हाईकमान के आदेशानुसार उनकी पत्नी को चुनावी मैदान में उतारा गया है।

सुक्खू ने पत्रकारों से कहा, हाईकमान ने विधानसभा चुनाव में मुझे अपनी पत्नी को चुनावी मैदान में उतारने को कहा है, इससे पहले हाईकमान द्वारा लोकसभा चुनाव में लड़ने को भी कहा गया था। सर्वे के बाद मेरी पत्नी का नाम आया लेकिन मैंने फिर भी इनकार किया, मैं खुद चाहता हूं कि राजनीति में परिवार से सिर्फ एक व्यक्ति आए लेकिन जिस प्रकार की राजनीतिक परिस्थितियां राज्य में है उसे देखते हुए, वह लड़ाई लड़ने के लिए मेरी पत्नी के घर की सीट से चुनाव लड़ने को कहा गया। जब फैसला लेने का समय आया तो मैंने हाईकमान के फैसले को अपनाया।

सुक्खू की पत्नी कमलेश ठाकुर राज्य में 10 जुलाई को देहरा विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मंजूरी मिलने के बाद मंगलवार को ठाकुर की उम्मीदवारी की घोषणा की। कमलेश ठाकुर का नाम पार्टी द्वारा कराये गये एक सर्वेक्षण तथा स्थानीय नेताओं से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर तय किया गया। आगामी उपचुनाव में उनका मुकाबला दो बार के निर्दलीय विधायक होशियार सिंह से होगा। होशियार सिंह भाजपा के टिकट पर यह उपचुनाव लड़ रहे हैं।

अब घंटों का काम मिनटों में करेगा गूगल का जिन्न

भारत में नौ भाषाओं में लॉन्च हुआ जेमिनी एडवांस एप

नई दिल्ली। (एजेंसी)

अक्सर देखा जाता है कि दफ्तरों में लोग फाइलों के बोझ से दबे रहे हैं और उन्हें निपटाने में कई दिन लग जाते हैं लेकिन अब आपकी चिंता दूर करने गूगल ने जिन्न ढूंढ लिया है जो आपके काम को फटाफट निटाएगा। आपके बॉस ने अगर आपको कोईई काम दिया उसे एक घंटे में निटाना है तो इस जिन्न की मदद से आप वह पूरा काम दस मिनट में निपटा सकेंगे। यह है गूगल का पावरफुल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आईए) टूल, जिसका नाम जेमिनी एडवांस है। गूगल ने अब एआई टूल जेमिनी की ऐप लॉन्च की है। भारत में यह ऐप नौ भाषाओं में उपलब्ध है इसमें हिंदी, उर्दू, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल, बंगाली, गुजराती और तेलुगु। इस टूल का इस्तेमाल केवल ब्राउजर के जरिए ही किया जा सकता था। एंड्रॉयड फोन पर जेमिनी के लिए आप सीधे इसकी ऐप प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा आप गूगल असिस्टेंस के जरिये भी इसे एक्सेस कर सकते हैं। मतलब आपको गूगल असिस्टेंट को 'हे गूगल' कहकर जगाना होगा और फिर आप एआई टूल जेमिनी का यूज कर पाएंगे। इसमें बहुत से फीचर हैं लेकिन गूगल ने कहा है कि भविष्य में और भी बहुत से फीचर जोड़े जाएंगे। ऐपल फोन वाले जेमिनी ऐप को सीधे गूगल ऐप से हासिल कर सकते हैं। यूजर्स को केवल जेमिनी टॉगल पर टैप करना है। गूगल ने ब्लॉग के जरिए जानकारी दी कि गूगल का सबसे उन्नत मॉडल, जेमिनी 1.5 प्रो, अब जेमिनी एडवांस में नौ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। जेमिनी एडवांस में अब एक मिलियन टोकन की कॉन्टेक्स्ट विंडो है, जो किसी भी अन्य चैटबॉट से विशाल है। इसे बड़ी मात्रा में जानकारी, लंबे दस्तावेज, ईमेल, कई घंटों के वीडियो और भविष्य में कोड को समझने में मदद करता है। गूगल ने ब्लॉग में लिखा कि हम गूगल मैसेज में भी जेमिनी पेश कर रहे हैं, ताकि आप अपने फोन पर जेमिनी के साथ आसानी से काम कर सकें। अब आप मैसेज लिखने, नए आइडिया सोचने या इवेंट्स की योजना बनाने में आपको मदद मिलेगी। वह भी बिना मैसेज ऐप से बाहर निकले। फिलहाल इसे अंग्रेजी में चुनिंदा डिवाइसों पर लाया गया है। गूगल ने कहा है कि हम यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हैं कि भारत में लोग किस तरह नए और अनोखे तरीकों से जेमिनी का इस्तेमाल करते हैं। चाहे आप जेमिनी को अपने फोन पर गूगल मैसेज में, या वेब पर इस्तेमाल कर रहे हों, हमें उम्मीद है कि यह आपके लिए एक बहुत उपयोगी टूल साबित होगा, जिससे आप अपने काम को निखार सकते हैं। प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकेंगे और नए आइडिया एक्सप्लोर कर सकते हैं।

सड़क किनारे सो रहे शख्स को सांसद की बेटी ने अपनी बीएमडब्ल्यू से कुचला, हुई मौत, थाने से मिली जमानत

चेन्नई। राज्यसभा सांसद बीडा मस्तान राव की बेटी ने अपनी बीएमडब्ल्यू कार से सड़क किनारे सो रहे शख्स को रौंद दिया। इस घटना में शख्स की मौत हो गई। हैरानी की बात है कि घटना के बाद थाने से ही राज्यसभा सांसद बीडा मस्तान राव की बेटी माधुरी को जमानत मिल गई। बीडा मस्तान राव वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा सांसद हैं। यह घटना सोमवार रात की है। राज्यसभा सांसद बीडा मस्तान राव की बेटी माधुरी जब बीएमडब्ल्यू कार चला रही थी, तब उसके साथ उसकी सहेली भी थी। राज्यसभा सांसद की बेटी ने कथित तौर पर चेन्नई के बेसेंट नगर में फुटपाथ पर सो रहे 24 वर्षीय पेंटर सूर्या को कार से कुचल दिया। आनन-फानन में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। बता दें कि हिट-एंड-रन का यह ताजा हाई-प्रोफाइल मामला पुणे पोर्श दुर्घटना के एक महीने के भीतर सामने आया है। पुणे पोर्शे कांड में मध्य प्रदेश के दो 24 वर्षीय इंजीनियरों की मौत हो गई थी। 19 मई की सुबह करीब 2-30 बजे पुणे के कल्याणी नगर जंक्शन पर नाबालिग ने अपनी तेज रफ्तार पोर्शे कार से उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। आरोपी नशे में था। इस मामले में उसका पिता-दादा भी गिरफ्तार है।रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी माधुरी तुरंत मौके से भाग गई, जबकि उसकी दोस्त कार से उतर गई और दुर्घटना के बाद इकट्ठा हुए लोगों से बहस करने लगी। कुछ देर बाद वह भी भाग गई। भीड़ में से कुछ लोगों ने घायल सूर्या को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट की मानें तो मृतक सूर्या की आठ महीने पहले ही शादी हुई थी। बीएमडब्ल्यू कार से रौंदे जाने के बाद उनके रिश्तेदार और कॉलोनी के लोग जे-5 शास्त्री नगर पुलिस स्टेशन में कार्रवाई की मांग को लेकर जमा हो गए। जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक की तो पता चला कि कार बीएमआर (बीडा मस्तान राव) ग्रुप की थी और पुडुचेरी में रजिस्टर्ड थी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में उद्घाटन से पहले ही 12 करोड़ की लागत से बना पुल गिरा

-केंद्रीय मंत्री ने दी सफाई, बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने करवाया निर्माण

अररिया। बिहार के अररिया जिले में 12 करोड़ की लागत से एक पुल का निर्माण किया था जिसका उद्घाटन होना बाकी था वह पुल चालू होन से पहले गिर गया। जिस पर लोग सवाल उठा रहे हैं। अब इस पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सफाई दी है। बिहार में बकरा नदी पर नवनिर्मित पुल का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। बिहार की नीतीश सरकार की ओर से बनाए गए इस पुल को जनता के लिए अभी नहीं खोला गया था क्योंकि पुल तक पहुंचने के लिए कनेक्टिंग रोड का निर्माण किया जाना है। ये पुल अररिया जिले के कुर्सा कांटा और सिकटी क्षेत्रों को जोड़ता है। बकरा नदी पर बने नए पुल का पिलर अचानक धंस गया। 12 करोड़ की लागत से बने इस पुल का एक हिस्सा नदी में समा गया। इस पुल का उद्घाटन भी नहीं हुआ है। स्थानीय विधायक विजय कुमार मंडल ने कहा कि पुल चालू होने से पहले ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया एक्स पर बयान जारी कर कहा कि बिहार के अररिया में दुर्घटनाग्रस्त पुल का निर्माण केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत नहीं हुआ है। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत इसका काम चल रहा था। पुल के दो से तीन पिलर नदी में धंस गए और पुल गिर गया। पुल निर्माण करने वाली एजेंसी और प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने पुल निर्माण के लिए काफी प्रयास किए थे। पुल गिरने की सूचना पर वह भी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने बताया कि ये पुल पूरी तरह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। ये दो प्रखंडों को सीधे जोड़ने का माध्यम बनता, लेकिन उद्घाटन के पहले ही नदी में समा गया। बिहार ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से पुल बनाया गया था। जमीन पर ही पिलर गाड़कर तैयार किया गया था। एप्रोच रोड भी अभी नहीं बनी है।

अमेरिका एनएसए की यात्रा यूएस-भारत साझेदारी को और मजबूत करेगी

नई दिल्ली। अमेरिका के एनएसए जेक सुलिवन की भारत यात्रा अमेरिका-भारत संबंध को और मजबूत करेगी। इससे एक सुरक्षित और अधिक समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र बनेगा। यह बात सोमवार को यूएस के राष्ट्रीय सुरक्षा के संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कही। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच मित्रता का एक अनूठा बंधन है। सुलिवन की यात्रा यूएस-भारत साझेदारी को और मजबूत करेगी। सुलिवन ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) अजीत डोभाल से मुलाकात की। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि दोनों एनएसए ने रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी के अगले चैप्टर पर बातचीत की है। बयान में कहा गया है कि दोनों एनएसए ने इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) क्षेत्रों में सुरक्षित, विश्वसनीय और लागत-प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके अलावा, व्हाइट हाउस ने अमेरिकी अंतरिक्ष और भारतीय स्टार्टअप्स के बीच एक नई साझेदारी शुरू करने की घोषणा की, जिसमें डेटा फ्यूजन तकनीक और इन्फ्रारेड सेंसर सेमीकंडक्टर निर्माण को आगे बढ़ाना शामिल है। किर्बी ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के आरोपी निखिल गुप्ता के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। अमेरिकी एनएसए की दो दिवसीय यात्रा मंगलवार को खत्म हो रही है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में जो बाइडेन प्रशासन के किसी वरिष्ठ अधिकारी की पहली भारत यात्रा है।

खरगौन में बस और ट्रक के बीच टक्कर.....2 की मौत, 27 घायल

खरगौन । मध्य प्रदेश के खरगौन जिले से दर्दनाक खबर आ रही है। जिले में एक बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर में दो यात्रियों की मौत हुई और 27 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस इंदौर की ओर जा रही थी। इस दुर्घटना में 42 वर्षीय एक पुरुष और 32 वर्षीय एक महिला (दोनों बस यात्री) की मौत हो गई तथा 27 अन्य घायल हो गए। घायल यात्री नारायण लाल ने आरोप लगाया कि बस चालक की लापरवाही से वाहन चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और एक मोड़ पर चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप बस एक ट्रक से टकरा गई। अधिकारियों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 15 लोगों को खरगोन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक गंभीर रूप से घायलों में शामिल है।

केन्या में रोटी पर लगा टैक्स, विरोध में सड़क पर उतरे हजारों लोग

नायरोबी । केन्या में आर्थिक संकट से उबरने के लिए राष्ट्रपति विलियम रूटो ने देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कुछ अहम कर सुधार किए थे। इसके लिए कर अधिनियम 2023 पारित किया था। इस अधिनियम में ब्रेड पर भी 16 फीसदी कर लगाने का प्रावधान किया गया था। इसके खाद्य तेलों, मोबाइल मनी सर्विस और गाड़ियों पर भी भारी-भरकम कर लगाने की बात कही गई थी। लेकिन, केन्या के लोगों को सरकार के ये कर सुधार बिल्कुल पसंद नहीं आए। सरकार के इन कदमों के खिलाफ लंबे समय से केन्या में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। इसी को देखते हुए सरकार ने अब प्रस्तावित कुछ करों को वापस लेने का ऐलान किया है। विवादित कर अधिनियम 2023 के जिस प्रावधान पर सबसे ज्यादा हंगामा मचा है, वो है ब्रेड पर 16 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव। लोगों का कहना है यह भारी-भरकम टैक्स लागू होते ही लोगों के भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। केन्या में कॉस्ट ऑफ लिविंग पहले ही बहुत ज्यादा है। ऐसे में ब्रेड पर 16 फीसदी टैक्स लगाना सही नहीं है। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों पर भी टैक्स की दर को भी दोगुना करके 16 फीसदी कर दिया गया। खाद्य तेलों पर भी टैक्स में भारी इजाफा किया गया।ये जनता को बिल्कुल पसंद नहीं और पिछले करीब एक साल से केन्या में सड़कों पर हर रोज पुलिस और लोगों के बीच झड़प हो रही थी। आम लोगों के साथ ही केन्या की विपक्षी पार्टियां भी सरकार के कर अधिनियम 2023 का विरोध कर रही हैं। लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों में अब तक कई लोग मारे गए हैं और बहुत से घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा हिंसक झड़पें राजधानी नैरोबी में हुई। हाल ही में नैरोबी में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि केन्या पर भारी-भरकम कर्ज है। इस समय उस पर 80 बिलियन डॉलर का ऋण है। देश की अर्थव्यवस्था काफी खराब है। महंगाई बढ़ने से लोगों के लिए जीवन-यापन करना बहुत मुश्किल हो रहा है। देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार पर भारी दबाव है। अपनी आमदनी बढ़ाने को सरकार ने नये टैक्स लगाए।

भीषण गर्मी का सितम- हज के दौरान 550 से अधिक लोगों की मौत

रियाद। भीषण गर्मी और लू के चलते अब तक 550 हज यात्रियों को मौत हो चुकी है। मरने वालों में कम से कम 323 मिस्र के थे। इनमें से अधिकांश की मौत गर्मी से होने वाली बीमारियों के कारण हुई है। अरब के दो राजनयिकों ने इसकी जानकारी दी है। इनमें से एक ने कहा कि मिस्र के जितने भी तीर्थयात्रियों की मौत हुई है, उनमें से अधिकांश ने भीषण गर्मी के कारण दम तोड़ा। हालांकि, एक की मौत भगदड़ के दौरान घायल होने के कारण हुई है। राजनयिकों ने कहा कि मरने वालों में कम से कम 60 जॉर्डन के नागरिक भी शामिल हैं। इसके साथ ही मरने वालों की कुल संख्या 577 हो गई है। सऊदी राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि सोमवार को मक्का की ग्रैंड मस्जिद में तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सऊदी अधिकारियों ने गर्मी के से परेशान 2000 से अधिक तीर्थयात्रियों के उपचार की बात कही है। आपको बता दें कि पिछले साल विभिन्न देशों के कम से कम 240 तीर्थयात्रियों के मरने की खबर सामने आई थी। सबसे अधिक इंडोनेशियाई नागरिकों की जान गई थी।पिछले महीने प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण हज यात्रा भी प्रभावित हो रही है। मुसलमानों के इस पवित्र शहर का तापमान हर 10 साल में में 0.4 डिग्री सेल्सियस (0.72 डिग्री फारेनहाइट) बढ़ रहा है।बता दें कि इस्लामिक मान्यताओं के मुताबिक, हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। सभी मुसलमानों की यह जरूर इच्छा होती है कि कम से कम एक बार वह जरूर हज के लिए मक्का की यात्रा करे।

इम्यूनोथेरेपी दवाओं से कैंसर मरीजों के बचने की दर में वृद्धि, अमेरिका की यूनिवर्सिटी में किए अध्ययन में किया दावा

लंदन । अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी की तरफ से किए गए क्लिनिकल परीक्षण में पाया गया है कि मध्यम जोखिम वाले सिर व गर्दन के कैंसर पीड़ितों के इलाज में जब इम्यूनोथेरेपी दवाओं का इस्तेमाल किया गया तो उनके बचने की दर में वृद्धि हुई। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में इंटरनल मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर तृषा वाइज -ड्रेपर ने इस क्लिनिकल ट्रायल को लीड किया है। प्रोफेसर तृषा वाइज -ड्रेपर का कहना है कि ये परीक्षण मरीजों के इलाज में पेंब्रोलिजुमाब दवा को शामिल करने पर केंद्रित रहा। यह दवा कीट्रूडा के नाम से बेची जाती है, जो कैंसर इम्यूनोथेरेपी में इस्तेमाल की जाने वाली एक एंटीबॉडी है।पेंब्रोलिजुमाब उन रिसेप्टर्स को निशाना बनाती है, जो बीमारी से लड़ने में मददगार ह्यूमन इम्यून सिस्टम को नुकसान पहुंचाते हैं। इसका विकास कई प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए किया गया है।ये प्रारंभिक तौर पर सिर व गर्दन के कैंसर के इलाज में भी कारगर साबित हुई है।इस स्टडी के प्रारंभिक निष्कर्षों ने बताया है कि ये दवा इलाज में 20 प्रतिशत असरदार है।वाइज-ड्रेपर के अनुसार, 'हम दावा नहीं कर सकते कि इसके इस्तेमाल से मरीज ठीक हो जाएगा, लेकिन इसने दीर्घकालिक प्रतिक्रिया दी है.'कैंसर के खतरे को काफी हद तक जीवन शैली में बदलाव कर टाला जा सकता है।इसके लिए आपको अपनी इच्छा, लाइफस्टाइल और डाइट पर कंट्रोल करने के साथ-साथ रेगुलर एक्सरसाइज करना भी जरुरी है। अनियंत्रित जीवन शैली जिस तेजी से बढ़ी है, उसी तेजी के साथ कैंसर के मरीज बढ़े हैं।ज्यादातर कैंसर के मामले और मौत विश्व के कम विकसित क्षेत्रों में सामने आए हैं। बता दें कि कैंसर वैसे तो किसी भी प्रकार का हो, शरीर पर इसका काफी बुरा असर पड़ता है। लेकिन कुछ मामलों में पीड़ित इस गंभीर बीमारी से जीत जाते हैं, हालांकि ज्यादातर मामलों में ये जानलेवा साबित होता है।

मंगाफ अग्निकांड में मरने वालों को 12.5 लाख रुपये देगी कुवैत सरकार

दुबई । कुवैत सरकार दक्षिणी अहमदी प्रांत के मंगाफ में लगी भीषण आग में मृत लोगों के परिवारों को 15-15 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 12.5 लाख रुपये) देगी। बता दें कि इस अग्निकांड में 46 भारतीयों सहित 50 लोगों की मौत हो गई थी। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, मंगाफ शहर में 12 जुलाई को भीषण आग भूतल पर स्थित गार्ड के कमरे में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। इस इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिसमें ज्यादातर भारतीय थे। रिपोर्ट के अनुसार, कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के आदेश पर मृतकों के परिवारों को 15-15 हजार अमेरिकी डॉलर का मुआवजा मिलेगा। मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी और इस मृतकों के देशों के दूतावासों को दिया जाएगा।

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देगा थाईलैंड

बैंकाक। थाईलैंड की संसद के उच्च सदन 'सीनेट' ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाले एक विधेयक को मंगलवार को भारी बहुमत के साथ मंजूरी प्रदान कर दी। इसके साथ ही थाईलैंड दक्षिण-पूर्वी एशिया में ऐसा कानून लागू करने वाला पहला देश बन गया है।अब इस विधेयक को थाईलैंड के राजा महा वजिरालोंगकोर्न की औपचारिक स्वीकृति मिलने की आवश्यकता है, जिसके बाद इसे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा। सरकारी राजपत्र 120 दिनों के भीतर एक तिथि निर्धारित करेगा जब विधेयक कानून के रूप में लागू हो जाएगा। सीनेट में विधेयक पर हुए मतदान के दौरान 152 सदस्य मौजूद थे, जिनमें से 130 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में मतदान किया जबकि चार सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया।

बैंकाक में एलजीबीटी समुदाय के सदस्य यहां मैरिज इक्वेलिटी बिल के पास होने की संभावनाओं को लेकर उत्साहित होते हुए।

भारत-अमेरिका में गहरे संबंध स्थापित हों और दोनों अच्छे दोस्त बनें

वाशिंगटन। अमेरिका के सीनेटर के साथ व्यापार जगत के दिग्गजों ने भारत के साथ रक्षा समेत कई क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बनाने का आह्वान किया है। सीनेटर स्टीव डैनेस ने कहा कि हम चाहते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच गहरे संबंध स्थापित हों और दोनों देश अच्छे दोस्त बनें। डैनेस, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के शिखर सम्मेलन में जॉन चैंबर्स और सीनेटर डैन सुलिवन साथ मौजूद थे। मोंटाना के सीनेटर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर यह बहुत जरूरी है कि हमें पता हो कि अच्छे लोग कौन हैं और हम उनके साथ संबंधों को कैसे बनाए रखें या फिर संबंधों को कैसे मजबूत करें। अच्छे लोगों से मतलब अमेरिका और भारत हैं। डैनेस ने कहा कि भारत के साथ हमारे संबंधों पर चीन की नजर है।

सुलिवन ने कहा कि बहुत से देश ऐतिहासिक शिकायतों का शिकार हैं। उन्होंने कहा, यह नया युग वास्तव में सत्तावादी आक्रामकता के युग की वापसी है, जो आने वाले सालों तक हमारे साथ रहने वाला है। उन्होंने अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के समूह का जिक्र करते हुए कहा कि क्वाड के कई क्षेत्रों में संबंधों को गहरा, व्यापक और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है।

यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष जॉन चैंबर्स ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता यानी एआई दोनों देशों को एक साथ आने और आगे क्या होने वाला है, इसका पूरा दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह पहचानना जरूरी है कि हम सत्तावादी आक्रामकता के एक ऐसे नये युग में हैं, जिसका अगुवाई शी चिनफिंग व पुतिन और ईरान में अयातुल्ला और उत्तर कोरिया में किम जोंग-उन कर रहे हैं। वे सभी एक साथ काम कर रहे हैं।

24 साल बाद पुतिन उत्तर कोरिया यात्रा पर, किम जोंग से मांगेंगे हथियार

-19-20 जून को वियतनाम भी जाएंगे पुतिन, अमेरिका चिंतित

मास्को (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं इस जंग को खत्म कराने भरपूर प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 24 साल में पहली बार उत्तर कोरिया का दौरा कर रहे हैं। दोनों देशों ने कहा कि यह यूक्रेन पर हमले के बाद से परमाणु-सशस्त्र राज्य के साथ रुस की बढ़ती साझेदारी को रेखांकित करता है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने पिछले सितंबर में रूस के सुदूर पूर्व की यात्रा की थी उस दौरान किन ने पुतिन को उत्तर कोरिया आने का निमंत्रण दिया था। पुतिन ने पिछली बार जुलाई 2000 में प्योंगयांग का दौरा किया था। अमेरिका के व्हाइट हाउस ने कहा कि वह रूस और उत्तर कोरिया के संबंधों से परेशान है और अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि यह काफी निश्चित है कि पुतिन यूक्रेन में अपने युद्ध का समर्थन करने के लिए हथियार मांगेंगे। पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं जिसमें सुरक्षा मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसी अन्य देश के विरुद्ध नहीं होगा, बल्कि आगे सहयोग की संभावनाओं को रेखांकित करेगा। हाल के वर्षों में हमारे देशों के बीच जो कुछ हुआ है, उसे ध्यान में रखते हुए इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय

राजनीति के क्षेत्र में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में जिसमें, निश्चित रूप से, सुरक्षा मुद्दों को भी ध्यान में रखा जाएगा। क्रेमलिन ने कहा कि उत्तर कोरिया के बाद पुतिन 19-20 जून को वियतनाम का दौरा करेंगे। दोनों यात्राओं की उम्मीद थी, हालांकि तारीखों की घोषणा पहले नहीं की गई थी। यूक्रेन में युद्ध की शुरुआत के बाद से रूस ने उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों के पुनर्जागरण को प्रचारित करने के लिए अपने रास्ते से हटकर काम किया है, जिससे यूरोप और एशिया में अमेरिका और उसके सहयोगियों को चिंता सताने लगी है। अमेरिका का कहना है कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन से लड़ने के लिए रूस को हथियार सप्लाई किए हैं, हालांकि प्योंगयांग और मॉस्को ने बार-बार इसका खंडन किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने आरोप लगाया कि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और 11,000 से ज्यादा कंटेनर गोला-बारूद की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पुतिन को पिछले कुछ महीनों में अविश्वसनीय रूप से हताश होते देखा है। मिलर ने कहा कि उनको पूरा यकीन है कि वह यही करने जा रहा है। अमेरिकी उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने पिछले सप्ताह कहा था कि वाशिंगटन इस बात से चिंतित है कि रूस उत्तर कोरिया को बदले में क्या देगा।

बाइडन सरकार ने अवैध अप्रवासियों को कर लिया बड़ा फैसला... भारतीयों को राहत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की जो बाइडन सरकार ने अवैध अप्रवासियों से जुड़ी एक नई नीति की घोषणा की है। अमेरिका में अवैध अप्रवासियों को अमेरिकी नागरिकों से शादी करने पर कानूनी दर्जा प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए कानूनों में बदलाव किया गया है। ये नीति उन लोगों पर लागू होगी, जो करीब 10 साल से अमेरिका में हैं और 17 जून 2024 से पहले अमेरिकी नागरिक से शादी कर चुके हैं। व्हाइट हाउस का मानना है कि इससे करीब पांच लाख लोगों को फायदा होगा। इसके अलावा अमेरिकी नागरिकों के करीब 50 हजार बच्चों को भी फायद होगा। अमेरिका में अनुमानित 11 लाख आप्रवासियों ने अमेरिकी नागरिकों से शादी की है। इन नए नियमों का वीजा पर अमेरिका गए लोगों पर कोई असर नहीं होने जा रहा है।

नए नियम आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देश छोड़ने की आवश्यकता को हटा देते हैं। दरअसल अमेरिकी नागरिक से शादी करने पर अमेरिकी नागरिकता की सुविधा मिल जाती है लेकिन जो लोग बिना वीजा अवैध रूप से सीमा पार कर ऐसा करते हैं, उन्हें ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अपने देश लौटना आवश्यक होता है। नए नियम में इसमें बदलाव होगा और परिवारों को कानूनी स्थिति हासिल करने के दौरान देश में रहने की इजाजत दे देगा। व्हाइट हाउस की ओर से बयान में कहा गया है कि नए नियम से पारिवारिक एकता को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिकी नागरिकों और उनके गैर-नागरिक परिवार के सदस्यों को एक साथ रहने में मदद मिलेगी।

अमेरिका में भारतीय भी बड़ी संख्या में रहते हैं। अब सवाल उठ रहा है कि बाइडन प्रशासन के कदम का अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर क्या असर पड़ेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नीति से अमेरिकी में रहने वाले भारतीयों के बीच निर्वासन का डर कम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में बिना डॉक्यूमेंट के रह रहे अप्रवासियों का तीसरा सबसे बड़ा समूह भारतीयों का है। 2011 के बाद से अमेरिका में गैर-दस्तावेजी भारतीयों की संख्या में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो किसी भी दूसरे देश की तुलना में सबसे तेज वृद्धि है। इसके बाद बाइडेन प्रशासन की ये नीति भारतीयों के लिए राहत बन सकती है।

पाक की सरजमीं पर भारत के एक और दुश्मन आमिर हमजा का अंत?

करांची (एजेंसी)। भारत के एक और कट्टर दुश्मन आमिर हमजा की हत्या कर दी गई है। आईएसआई एजेंट आमिर हमजा की पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में सोमवार की देर शाम गोली मारकर हत्या कर दी गई। हालांकि, उसकी हत्या के पीछे कौन है, यह साफ नहीं हो पाया है। आमिर हमजा भले ही पाकिस्तान का ब्रिगेडियर था, मगर वह आतंकियों का बाप था। वह भारत का दुश्मन था। आमिर हमजा वही शख्स है, जिसने जम्मू-कश्मीर के सुंजवान आर्मी कैंप पर साल 2028 में आतंकी हमला करवाया था। उस हमले में हमारे 6 जवान शहीद हो गए थे। उस आतंकी हमले का मास्टरमाइंड हमजा ही था।

खबर के मुताबिक, पिछले साल नवंबर में लश्कर कमांडर ख्वाजा शाहिद उर्फ ??मिया मुजाहिद को पीओके में एलओसी के पास सिर कलम कर दिया गया था। मिया मुजाहिद भी सुंजवान आर्मी कैंप का अन्य मुख्य साजिशकर्ता था। जब हमजा पर गोलीबारी की गई, तब हमजा की पत्नी और बेटी उसके साथ कार में थी। उन्हें भी चोटें आई हैं। हमजा की पत्नी ने पुलिस को बताया कि हमलावरों ने कोई सामान नहीं लूटा। हमजा की पत्नी और बेटी ने पुलिस को बताया कि आईएसआई एजेंट आमिर हमजा का किसी से भी कोई पर्सनल दुश्मनी नहीं थी। वहीं, पाकिस्तानी पुलिस का कहना है कि यह टारगेट किलिंग है। यह हमला पंजाब के झेलम जिले में हुआ। हमजा की कार पर मोटरसाइकिल पर सवार चार अज्ञात लोगों ने घात लगाकर हमला किया। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि कार झेलम में लीला इंटरचेंज पर पहुंची थी, तभी दो बाइक पर सवार चार लोगों ने उसे दोनों तरफ से घेर लिया। झेलम पुलिस के अनुसार, पीछे बैठे हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका टारगेट मारा जा चुका है। और फिर वे घटनास्थल से भाग गए। पाकिस्तानी आर्मी से रिटायरमेंट से पहले वह पाकिस्तानी इमरजेंसी सर्विस एकेडमी का डायरेक्टर जनरल था। उसकी हत्या की शक की सुई उसके भाई पर भी लटक गई है। आमिर हमजा जब अपनी पत्नी और बेटी के साथ कार में जा रहा था। उसके पीछे बाइक से उसका भाई अयूब आ रहा था। पुलिस को अब उस पर शक है।

निज्जर की बरसी पर कनाडा की संसद में रखा गया मौन

टोरंटो (एजेंसी)। बीते साल 18 जून को निज्जर की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। कनाडा के सरी में हुए इस हत्याकांड की जांच जारी है। निज्जर खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था। खास बात है कि कनाडा सरकार ने इस हत्याकांड में भारत सरकार के शामिल होने की आशंका जताई थी। इसके बाद दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में तनाव आ गया था। इसके बाद भी कनाडा की संसद ने निज्जर की बरसी पर मौन रखा और उसे याद किया। खास बात है कि यह सब ऐसे समय पर हुआ, जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत सरकार के साथ बातचीत के अवसर देखने की बात कही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडाई समकक्ष ट्रूडो से जी7 शिखर सम्मेलन में मुलाकात की थी।

कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स में मंगलवार को मौन रखा गया। मंगलवार को ही वैंकूवर में भारतीय कॉन्सुलेट के बाहर बड़ी संख्या में लोग बड़ी संख्या में भीड़ जुटी और विरोध प्रदर्शन भी हुए। खबर है कि एसएफजे यानी सिख्स फॉर जस्टिस के आह्वान पर भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी का मॉक ट्रायल किया गया। एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा, कनाडा के न्याय से बच गए भारतीय मंत्रियों और राजनयिकों को निश्चित रूप से खालसा जस्टिस का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि खालिस्तान समर्थक सिख अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निज्जर के कातिलों को पकड़ेंगे।साथ ही पन्नू ने 23 जून से एयर इंडिया का बहिष्कार करने का भी आह्वान किया है। खास बात है कि खालिस्तानी आतंकवादियों ने 39 साल पहले कनिष्का बमबारी को

अंजाम दिया था। उस घटना में 329 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 86 बच्चे भी शामिल थे। वैंकूवर में हुए प्रदर्शन के दौरान उस आतंकवादी घटना का मास्टरमाइंड माने जाने वाले तलविंदर सिंर परमार की तस्वीर भी मौजूद थी।

ट्रूडो ने भारत और कनाडा के संबंधों में खटास के बीच इटली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी पहली बातचीत के कुछ दिनों बाद कहा है कि भारत के साथ कई बड़े मुद्दों पर समन्वय है और वह भारत की नयी सरकार के साथ आर्थिक संबंधों और राष्ट्रीय सुरक्षा सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने का एक अवसर देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के हाथ मिलाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक लाइन में कहा गया था कि जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात हुई। दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तानी चरमपंथ को लेकर दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में तनाव आने के बीच पहली थी। पिछले साल ट्रूडो के आरोपों को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बेतुका और प्रेरित बताकर दृढ़ता से खारिज कर दिया था। भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा, कनाडा की धरती से संचालित खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कई बार कनाडा को अपनी गंभीर चिंताओं से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। निज्जर की हत्या की जांच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) द्वारा की जा रही है। आरसीएमपी ने इस संबंध में चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

पाकिस्तानी सेना का काम व्यापार करना नहीं है वह इससे दूर रहे: अब्बासी

- शहबाज सरकार ने पेश किया बजट, रक्षा खर्च बढ़ाने पर अब उठने लगे सवाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान इस समय महंगाई और कर्ज से दो चार हो रहा है। इससे निपटने के लिए वह अपने दोस्त देशों से कर्ज मांगने से भी नहीं शरमा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान में शहबाज शरीफ सरकार ने देश का बजट पेश किया था। पाकिस्तान ने अपने 2024-25 के बजट में रक्षा खर्च के लिए 2,122 अरब रुपए की भारी भरकम रकम तय की है। भले ही पाकिस्तान देश में खर्च चलाने के लिए आईएमएफ से कर्ज मांग रहा है लेकिन सेना के लिए उसने अपना बजट पिछले साल के मुकाबले 278 अरब रुपए बढ़ा दिया है।

देश की कमजोर अर्थव्यवस्था और महंगाई के बीच सेना के लिए भारी भरकम रकम खर्च करने पर अब आवाज उठने लगी हैं। इनमें सबसे मजबूत आवाज है पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी की, जिन्होंने सेना की भूमिका पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। अब्बासी ने कहा कि सेना का काम व्यापार करना नहीं है, क्योंकि व्यापारिक गतिविधियों में शामिल होने से और ज्यादा मुश्किलें आ सकती हैं।

शाहिद खाकान अब्बासी ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुख्य रूप से सेना का काम व्यापार करना नहीं है। संस्था को इससे दूर रहना चाहिए क्योंकि इससे कई परेशानियां आ सकती हैं। पूर्व पीएम अब्बासी सेना द्वारा किए जाने वाले कई व्यवसायों की बात कर रहे थे। अब्बासी की तरह ही फरवरी में पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने एक मामले की सुनवाई के दौरान सरकार से तय करने को कहा था कि सशस्त्र बल वाणिज्यिक गतिविधियों के बजाय रक्षा संबंधी मामलों पर ध्यान केंद्रित करें।

अब्बासी ने आगे कहा कि सरकार को रक्षा खर्च पर लोगों से बातचीत करनी चाहिए। बजट पर कम से कम समिति स्तर पर बहस होनी चाहिए। कुछ बातें सार्वजनिक रूप से नहीं कही जा सकती हैं। उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में बातचीत की जा सकती है। कम से कम सांसदों को इस बात पर भरोसे में लिया जाना चाहिए कि हम 2100 अरब रुपए की राशि कहां खर्च करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप अर्थव्यवस्था को मजबूत रखते हैं तो ही बंदूकें रख पाएंगे और सरकार चला पाएंगे। उन्होंने कहा सरकार का हर कदम अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर होना चाहिए।

देश में सरकार चलाने में सेना की भूमिका पर उन्होंने कहा कि अगर संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है तो इस तरह का शासन नहीं चलना चाहिए।

अब्बासी ने सामंजस्य की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि देश में तीन स्वतंत्र और निष्पक्ष होने दीजिए, आपकी व्यवस्था ठीक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राजनेताओं, न्यायपालिका और सेना को मिलकर काम करना चाहिए।

संपादकीय

योग और ध्यान-अभ्यास : संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

योग सृष्टि की शुरूआत से ही भारत की प्राचीन संस्कृति का एक अहम हिस्सा रहा है। प्राचीन काल के ऋषि-मुनियों ने योग के महत्त्व का जिक्र अनेक धर्मग्रंथों में किया है। ऋग्वेद में कई जगहों पर यौगिक क्रियाओं के विषय में जानकारी मिलती है। महर्षि पतंजलि ने योग की परिभाषा देते हुए कहा है कि श्योगष्चित्तवृत्तिनिरोध:श् अर्थात योग के द्वारा हम अपने चंचल मन को भी काबू में कर सकते हैं। मनुष्य को जब भी कोई शारीरिक अथवा मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा है तो अपने शरीर को रोग मुक्त करने के लिए उसने किसी न किसी तरीके से योग द्वारा शरीर को स्वस्थ किया है और साथ ही साथ मानसिक शांति भी प्राप्त की है लेकिन आज के आधुनिक युग की इस भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हमारे खान-पान व रहन-सहन में कई बदलाव आए हैं जिनके कारण हमें चिंता, तनाव, थकान और चिड़चिड़ापन जैसी अन्य कई बीमारियां घेर लेती हैं।

शुरू-शुरू में तो हम अपने स्वास्थ्य की बिल्कुल भी परवाह नहीं करते क्योंकि आजकल की व्यस्त ज़िंदगी में किसी के पास इतना भी वक्त नहीं है कि वो अपने शरीर की ओर ध्यान दे लेकिन धीरे-धीरे यह छोटी-छोटी बीमारियाँ हमारे शरीर में ब्लड प्रेशर, शुगर, गठिया, मोटापा और माईग्रेन जैसी अनेक गंभीर रोगों को जन्म देती हैं। तब हम थोड़ा जागरूक होते हैं और हमारा ध्यान किसी योग की ओर जाता है क्योंकि केवल योग ही है जो इस प्रकार के रोगों को जड़ से खत्म कर सकता है। सिर्फ प्राचीन काल के योगियों ने ही नहीं बल्कि आज के आधुनिक युग के डॉक्टर्स ने भी इस बात को पूरी तरह साबित करके दिखाया है कि सिर्फ योग ही ऐसी रामबाण दवा है जिसके द्वारा हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और यह हमें इस हलचल भरी दुनिया में मानसिक शांति भी प्रदान कर सकता है। अगर हम योग के फायदों का ज़िक्र करें तो हम पाएंगे कि योग के फायदों की सूची कभी न खत्म होने वाली है। जैसे प्रतिदिन योग करने से शारीरिक तंदुरुस्ती तो आती ही है, इसके अलावा इसके द्वारा सबसे ज्यादा मानसिक शांति मिलती है, जिससे कि हमारे अंदर का तनाव खत्म होता है बल्कि इसके द्वारा हमारा मन भी शांत रहता है। इसके साथ-साथ बड़ी से बड़ी बीमारी से लड़ने के लिए हमारे शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होता है, जिससे कि हमारे अंदर रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है। योग से हमारी पाचन क्रिया भी दुरूस्त होती है, जिसके कारण हमारे अंदर ऊर्जा का विकास होता है और हमारा शरीर लचीला बनता है। नियमित योग करने से जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता है और हमारे अंदर मनोबल की भी वृद्धि होती है। इस प्रकार योग के द्वारा हम अपने तन को ही नहीं बल्कि मन को भी स्वस्थ रख सकते हैं।

योग के कई प्रकार हैं जैसे, हठ योग, प्राण योग, राज योग, कुंभक और ज्ञान योग आदि। जितने भी प्रकार के ये योग हैं इन्हें करने के लिए एक तो इनमें समय बहुत ज्यादा देना पड़ता है जोकि आजकल की व्यस्त दिनचर्या में मुमकिन ही नहीं है। दूसरे इन्हें करने के लिए शरीर का पूरी तरह से स्वस्थ होने के साथ-साथ लंबी उम्र का होना भी बहुत ही ज़रूरी है जोकि आज के युग में संभव नहीं है। ये सभी यौगिक क्रियाएं सिर्फ हमारे शरीर को स्वस्थ रखती हैं लेकिन सुरत शब्द योग एक ऐसी विधि है जोकि पूर्णतया आध्यात्मिक है और यह न सिर्फ हमारे तन व मन को बल्कि हमारी आत्मा को भी तंदुरुस्त रखता है। परम संत कृपाल सिंह जी महाराज ने इस सुरत शब्द योग के बारे में कहा है कि, "अगर हमारी आत्मा तंदुरुस्त होगी तो हमारा मन और शरीर खुद-ब-खुद तंदुरुस्त हो जाएगा।"

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक को अब ब्याज दरों में कटौती के बारे में गम्भीरता से विचार करना चाहिए

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार 8वीं बार रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत पर ही जारी रखा है। हालांकि, हाल ही में, जून 2024 के प्रथम सप्ताह में सम्पन्न हुई मोनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक में दो सदस्यों ने रेपो दर को 25 आधार अंको से घटाकर 6.25 प्रतिशत पर नीचे लाने की सिफारिश की थी। अभी तक मोनेटरी पॉलिसी कमेटी द्वारा लिए गए 48 निर्णयों में से 32 निर्णय सर्वसम्मत आधार पर लिए गए हैं और केवल 16 निर्णयों की स्थिति में ही कुछ सदस्यों द्वारा अपनी अलग राय रखी गई है। और, इस बार भी दो सदस्यों की राय अन्य सदस्यों की राय से कुछ भिन्न रही है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में मुद्रा स्फीति के सम्बंध में भी अपनी राय प्रकट की है और इसके अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुद्रा स्फीति की दर 4.5 प्रतिशत पर बनी रहेगी और इस वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में मुद्रा स्फीति की दर 4.9 प्रतिशत, द्वितीय तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 4.6 प्रतिशत एवं चतुर्थ तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर में खाद्य पदार्थ सामग्री का विशेष योगदान रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि, बाजार में खाद्य पदार्थ सामग्री की कीमतें यदि बढ़ती हैं तो इसे ब्याज दर बढ़ाकर अथवा घटाकर प्रभावित नहीं किया जा सकता है क्योंकि खाद्य पदार्थों की कीमतें बाजार में मांग एवं आपूर्ति के आधार पर ही निर्धारित होती हैं। जैसे, सब्जी एवं फलों की आपूर्ति यदि बाजार में कम है और मांग अधिक है तो इन वस्तुओं की कीमतें बाजार में आसमान छूती नजर आती हैं और इन वस्तुओं की बाजार में यदि आपूर्ति बढ़ जाए तो इनकी कीमतें भी कम होने लगती है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि अथवा कमी का इन वस्तुओं की कीमतों पर प्रभाव नगण्य सा ही रहता है। कुल मिलाकर, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर ही इन वस्तुओं की मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। और फिर, भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी 4.5 प्रतिशत के आसपास ही बनी रही है जो मोनेटरी पॉलिसी में वर्णित 2.5 प्रतिशत से 6.5 प्रतिशत के बीच की सीमा के अंदर ही है। बैंक आफ कनाडा, स्विस बैंक एवं स्वीडिश रिस्कबैंक ने भी पूर्व में ही अपने अपने देशों की ब्याज दरों में कमी करने की सिफारिश की है। अतः क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी रेपो दर में कमी करने के बारे में विचार नहीं किया जाना चाहिए।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी संभवतः अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर में कमी को घोषणा के बाद की जाय, क्योंकि यदि भारत रेपो दर में कमी की घोषणा करता है एवं फेडरल रिजर्व फेड दर में कमी नहीं करता है तो इससे अमेरिकी डॉलर के रूप में पूंजी का भारत से पलायन हो सकता है। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने आंतरिक मजबूती के चलते ही अपने आर्थिक विकास को गति देने में सफल रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था, अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्र में हो रहे विभिन्न परिवर्तनों के बावजूद वित्तीय वर्ष 2023-24 में अपने आर्थिक विकास की दर को 8 प्रतिशत से अधिक रखने में सफल रही है। यदि भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी करता है तो इससे भारत में उद्योग, कृषि एवं सेवा क्षेत्र को वित्त/पूंजी की उपलब्धता कम ब्याज दरों पर होने लगेगी, इससे इन क्षेत्रों में कार्य कर रही इकाईयों की उत्पादन लागत कम होगी एवं इनकी लाभप्रदता में सुधार होगा। जिससे अंततः इन इकाईयों के विस्तार में आसानी होगी। देश में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होंने लगेंगे। और फिर, अभी तो भारत के पास 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार भी उपलब्ध है, यदि ब्याज दर कम करने से कुछ विदेशी पूंजी पलायन भारत से अन्य देशों के ओर होता भी है तो (हालांकि इसकी सम्भावना बहुत ही कम है क्योंकि भारत में विदेशी निवेश एवं विदेशी मुद्रा का आंतरिक प्रेषण भी भारी मात्रा में होता दिखाई दे रहा है) यह विदेशी मुद्रा भंडार भारत के आड़े वक्त में काम आएगा।

भारत में हाल ही के समय में विभिन्न बैंकों के ऋण में वृद्धि दर 15 से 20 प्रतिशत के बीच बनी हुई है जबकि जमाराशि में वृद्धि दर 10-12 प्रतिशत के बीच बनी हुई है। आज भारत के कई बैंकों का वार्षिक ऋण-जमा अनुपात 100 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। इससे विभिन्न बैंकों की तरलता पर दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक को विभिन्न बैंकों की तरलता सम्बंधित समस्याओं को हल करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में कई प्रयास करना शुरू भी कर दिए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.20 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। पहिले यह अनुमान 7 प्रतिशत का लगाया गया था परंतु वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 8.20 प्रतिशत की वृद्धि दर को देखते हुए इसमें 20 आधार अंको की वृद्धि की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.3 प्रतिशत, द्वितीय तिमाही में 7.2 प्रतिशत, तृतीय तिमाही में 7.3 प्रतिशत एवं चतुर्थ तिमाही में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस वर्ष मानसून भी सामान्य से कुछ अधिक ही रहने की सम्भावना है एवं भारत में 'अल नीनो' के स्थान पर 'ला नीना' का असर होने की प्रबल सम्भावना व्यक्त की गई है। अल नीनो के प्रभाव से सामान्यतः मानसून कमजोर हो जाता है एवं ला नीना के प्रभाव से मानसून मजबूत रहने की सम्भावना बढ़ जाती है। भारत में कृषि क्षेत्र अभी भी मानसून की बारिश पर ही टिका हुआ है, अतः मानसून के दौरान ला नीना के प्रभाव को कृषि क्षेत्र के लिए बहुत अच्छा माना जा रहा है। दूसरे, भारत की अर्थव्यवस्था में मंदिर की अर्थव्यवस्था एवं धार्मिक पर्यटन का सकारात्मक प्रभाव वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी जारी रहेगा। इस मुख्य कारण के चलते, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यदि यह प्रभाव भी वर्ष 2024-25 के दौरान इसी स्तर पर बना रहता है तो बहुत सम्भव है कि इस वर्ष के दौरान भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर हासिल की जा सके। तीसरे, इस वर्ष अच्छे मानसून के चलते ग्रामीण इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग में भी वृद्धि होगी और यह कृषि क्षेत्र के साथ ही उद्योग एवं सेवा क्षेत्र को भी गति देने का काम करेगा, और इससे निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ने की भी प्रबल सम्भावना रहेगी और अंततः विकास दर 7.2 प्रतिशत के स्थान पर 8 प्रतिशत की रह सकती है।

अतः कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अब चूंकि मुद्रा स्फीति की दर भारत में लगभग नियंत्रण में है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति को और अधिक तेज करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी करने पर गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिए।

गहराता जल संकट

(लेखक - संजय गोस्वामी)

पानी की कमी आज देश के लिए बड़ा मुद्दा बन चुकी है। देश के कई राज्य ऐसे हैं जहाँ अकाल पड़ा रहा है। हम समाचार पत्र में ही रहते हैं कि कई देश और कई राज्य ऐसे हैं, जो अकाल से जूझ रहे हैं। दिल्ली में पानी की कमी का ठिकाना आम आदमी पार्टी की सरकार ने हरियाणा सरकार पर थोप दिया कि वहां से दिल्ली वासियो हेतु जल नहीं जा रहा है जो गलत है बरसात में पानी बहुत मात्रा में होता है जल संचय हेतु क्यों नहीं संग्रहित किया गया मैंने इस कमी को पूरा करने के लिए अपनी कंपनी में 2006 में मात्र 50,000 की लागत का 70,000 लीटर कैपेसिटी का टैंक बनवाया जिसे बनने में करीब 6 महीने लगे टैंक बनाने वाली कंपनी भी कोई बड़ी कंपनी नहीं थी, लेकिन उसने डिजाइन इस तरह से किया कि पानी का लोड लेने सके और पानी साफ करने के लिए एक सीधी भी बनाई गई टैंक फिट स्टील का था ताकी जंग ना लगे में काफी मेहनत लगी क्योंकि वेंडर की वर्कशॉप से पूरी तरह से टैंक के निर्माण को कवर किया गया है और इसमें काफी लाभ हुआ है क्योंकि बार-बार उठाने वाले सप्लायर के लिए समस्या बन गई थी लेकिन बनाने के बाद अभी तक पानी के संकट को दूर कर रही है, आप पेट्रोलियम उद्योग में कितने देखेंगे बड़े बड़े टैंक होते हैं तेल को भंडार करने के लिए तदनुसार मेहनत करेंगे तो उपाय स्वयं सूझेगा और अपनी गलतियों पर ध्यान दिया जाएगा, तभी भविष्य में पानी की कमी का हल निकलेगा। जल इतना महत्वपूर्ण है, क्योंकि मनुष्य के शरीर का 70ब हिस्सा पानी का बना हुआ है। इंसान 5 दिन बिना खाना खा सकता है लेकिन बिना पानी के एक दिन भी गुजारना मुश्किल हो जाता है। पानी केवल पीने के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन के उद्देश्यों जैसे स्नान, खाना पकाना, सफाई और कपड़े धोना आदि के लिए भी आवश्यक है। जल ऑक्सीजन के दो और एक अणु से मिलकर बनता है। जब भी जल के महत्व की बात आती है हमारे दिमाग में सबसे पहली पंक्ति यही आती है 'जल ही जीवन हैं'। हमारे शरीर की सरंचना ऐसी हुई है, जिसका 70ब हिस्सा जल का है। संसार के हर जीव को जीने के लिए जल की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधों से लेकर जानवर तक हर जीव पानी की उपस्थिति के कारण मौजूद है। पानी हमारी रोज़ की जिंदगी के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। सफाई से लेकर खाना बनाने तक, कपड़े से लेकर, बर्तन साफ करने तक हर काम को करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। घर हो या बाहर हर जगह हमें पानी की आवश्यकता होती ही है और इसी को पूरा करने के लिए नए-नए तरह की तकनीक का उपयोग किया जा रहा है ताकि हमें कभी पानी की कमी महसूस न हो और हर जगह हमें पानी उपलब्ध मात्रा में मिल कृपा करें। हम जिस बिजली का उपयोग करते हैं वह भी पानी से ही बनती है जल में भी शुद्ध जल ही पीना चाहिए पृथ्वी पर 70ब भाग में पानी है जो अधिकतर महासागरों और अन्य बड़े जल पदार्थों का हिस्सा होता है इसके अतिरिक्त, 1.6ब भूमिगत जल एक प्रकार का पौधा है। और 0.001 जल वाष्प और बादल के रूप में पाया जाता है।, खारे जल के महासागरों में पृथ्वी का कुल 97ब हिमनदों और ध्रुवीय बर्फ चोटों में 2.4ब और अन्य स्रोतों जैसे नदियों, झीलों और तालाबों में 0.6ब जल पाया जाता है। पृथ्वी पर जल की एक बहुत छोटी मात्रा, पानी की टंकियों, जैविक पदार्थों, विनिर्मित उत्पादों के भीतर और खाद्य भंडार में निहित है। बर्फीली चोटियों, हिमनदों, एक्वीफर या झीलों का जल कई बार धरती पर जीवन के लिए साफ जल उपलब्ध कराता है। हमारे देश में बढ़ते जल संकट के कारण जल जनित बीमारियों की वृद्धि हुई है कि 10 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या संकट में आ गई है, जल हमारे जीवन के लिए अभिन्न और महत्वपूर्ण है। यह हमारे शरीर के ऊर्जा स्रोत, स्वास्थ्य और संतुलित विकास का मूल आधार है। जल के बिना हम न तो जीवित रह सकते हैं और न ही कोई जीवनरूपी रचना अस्तित्व में आ सकती है। इसके साथ ही, जल हमें स्वच्छता, संपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है। यह समुद्रों, नदियों, झीलों और तालाबों के रूप में प्रकृति में विद्यमान है और हमें इसे बचाएं और संरक्षित रखने की जरूरत है। इसलिए, हमें जल के महत्व को समझना चाहिए और इसकी सुरक्षा और उपयोग को संभालने का संकल्प लेना चाहिए। जल संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है क्योंकि आजकल जल की उपलब्धता में कमी हो रही है। बढ़ती आबादी, विनियमित जल उपयोग और अवैध जल प्रदूषण के कारण नदियां, झीलें और अंतर्देशीय जल संरचनाएं प्रदूषित हो रही हैं। इससे पृथ्वी की जल संसाधनों की गुणवत्ता पर असर पड़ता है और पानी के उपयोग की उचित व्यवस्था में कमी होती है। जल के महत्व को समझकर हमें जल संरक्षण के लिए संज्ञानबद्ध और सतर्क बनना चाहिए। हमें जल की बचत करनी चाहिए, अपने उपयोग में सतर्क रहना चाहिए, पृथ्वी के जल संसाधनों को संरक्षित रखने के लिए जल संरचना को सुधारना चाहिए, और समुदाय को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए। इसके साथ ही, हमें सुरक्षित पीने के पानी की उपलब्धता के लिए जल संचय की तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। जल संरक्षण के माध्यम से हम स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और आने वाले पीढ़ियों को भी संतुष्टि और सुरक्षा दे सकते हैं। जल के महत्व की प्रतिभा होना चाहिए और इसकी संरक्षण को हमारी प्राथमिकता बनाना चाहिए।

इसलिए अभी से जल प्रबंधन पर काम करना चाहिए ताकि भविष्य में जल संकट से मुक्ति मिल सके।

विचार मंथन

रेल हादसों का जिम्मेदार कौन, कहां है रेल मंत्री का सुरक्षा कवच

(लेखक - सनत जैन)

त्रिपुरा के अगरतला से बंगाल के सियालदाह जा रही यात्री ट्रेन कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना स्थल पर 9 लोगों की मौत हो गई। 41 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से 10 किलोमीटर पहले कंचनजंगा एक्सप्रेस खड़ी हुई थी। उसी ट्रैक पर एक मालगाड़ी पीछे से आई और उसने यात्री ट्रेन को टक्कर मारी। यात्री गाड़ी के चार डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। इसी तरह की एक बड़ी दुर्घटना पिछले साल उड़ीसा के बालासोर में भी हुई थी। जिसमें 3 ट्रेनों के बीच टक्कर हुई थी। सैकड़ों रेलवे यात्री घटनास्थल पर मारे गए थे। सेकड़ों गंभीर रूप से घायल हुए थे। जब उड़ीसा में रेल दुर्घटना हुई थी, उस समय भी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ही थे। उन्होंने दावा किया था, ट्रेनों में सुरक्षा सिस्टम लगाया जा रहा है। उन्होंने सुरक्षा सिस्टम को सुरक्षा कवच का नाम दिया था। उन्होंने दावा किया था, भविष्य में दुर्घटनाएं नहीं होगी। अभी जो जानकारी प्राप्त हुई है। अभी तक केवल 1500 किलोमीटर के ट्रैक पर ही यह सुरक्षा सिस्टम लगाया जा सका है। बाकी सारे रेल ट्रैक भगवान भरोसे हैं। 02 जून 2023 को उड़ीसा के बालासोर में एक साथ तीन ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुईं थीं। जिसमें 293 लोगों की मौत हो गई थी। मानवीय भूल बताकर इस घटना को भुला दिया गया। 29 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश में सिग्नल खराब हो जाने के कारण तीन ट्रेनें दुर्घटना की शिकार हुईं। रेलवे मंत्रालय ने इसके लिए मृतक ट्रेन चालक और सहायक चालक को दोषी बताकर पल्ला झाड़ लिया। सिग्नल खराबी की वजह से अब तीसरा हादसा जलपाईगुड़ी स्टेशन के 10 किलोमीटर पहले हुआ। जहां एक मालगाड़ी ने यात्री ट्रेन को टक्कर मार दी। पिछले कुछ वर्षों से रेलवे का आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। रेलवे के जो कर्मचारी रिटायर होते गए, वह पद भरे नहीं गए। रेलवे मंत्रालय यात्री गाड़ियों और मालगाड़ियों की संख्या निरंतर बढ़ाता जा रहा है। पिछले वर्षों में तेज रफ्तार वाली वंदे मातरम ट्रेन, राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी ट्रेन की रफ्तार बढ़ाई गई है। पिछले वर्षों में रेलवे की कमाई भी कई गुना बढ़ी है। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों को सजाने संवारने का काम किया जा रहा है। आधुनिकीकरण के नाम पर रेलवे मंत्रालय द्वारा पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। जब रेलवे में काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी ही नहीं होंगे। ऐसी स्थिति में ट्रेनों की देख-रेख में लापरवाही तो होगी ही। रेलवे की व्यवस्था में सुधार किस तरह से किया जायेगा, इसका कोई प्लान भी रेलवे के पास दिखता नहीं है। लंबी दूरी की जो यात्री ट्रेन चल रही हैं उसमें भेड़ बकरियों की तरह यात्री, यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। कई महीनो की वेटिंग लगी होती है। सामान्य अथवा वेटिंग टिकट पर 75 यात्री वाले कोच में 2 से 3 गुना यात्री सफर करने को विवश हैं। रेलवे टिकट के पैसे कई दिनों पहले एडवांस में ले लिए जाते हैं। उसके बाद भी उन्हें कोई सुविधा नहीं मिल पाती है। जान जोखिम में डालकर लोगों को नारकीय यात्रा करनी पड़ती है। पिछले 10 वर्षों में रेल मंत्रालय ने एकाधिकार के बल पर रेलवे को कमाई का जरिया बना लिया है। वेटिंग टिकिट कंफर्म नहीं होती है। तब भी रेलवे पैसा काट लेता है। टिकट बुक करते हैं, जीएसटी और अन्य शुल्क वसूल कर लिए जाते हैं। अंतिम समय पर 2 से 3 गुना महंगी तत्काल में टिकट खरीदना पड़ती है। महीनों पहले कराई गई वेटिंग टिकट यात्रा करने की तारीख तक कंफर्म नहीं होती है। जब रेलवे वेटिंग में टिकट इशू करता है, ऐसी स्थिति में उसे अतिरिक्त ट्रेन या अतिरिक्त कोच लगाए जाने की व्यवस्था भी करनी चाहिए। रेलवे कुछ भी नहीं करती है। एकाधिकार के बल पर लोगों को लूटने का काम, रेलवे खुलेआम कर रही है। वंदे मातरम और तेज रफ्तार वाली अन्य ट्रेनों को हवाई जहाज की तर्ज पर चलाया जा रहा है। हवाई जहाज की तरह अब रेलवे भी किराए की वसूली कर रहा है। रेलवे में पिछले कई वर्षों से लाखों पद खाली पड़े हुए हैं। उन्हें नहीं भरा जा रहा है। जिसके कारण यात्रा में दिनों दिन जोखिम बढ़ता चला जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में गुड्स ट्रेनों की संख्या बढ़ी है। तेज रफ्तार वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ी है। इसके बाद भी रेलवे की कोई जिम्मेदारी यात्रियों की सुरक्षा को लेकर नहीं है। पिछले वर्षों में संपूर्ण भारत में 1 दिन में कम से कम तीन रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं। इनमें आर्थिक नुकसान होता है। रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई काम नहीं किया गया, जिससे दुर्घटनाओं में रोक लगे। जब कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तब कहा जाता है, रेलवे ने सुरक्षा कवच लगा लिए हैं। तेज रफ्तार की ट्रेनों को चलाने के लिए सिग्नल व्यवस्था को मजबूत कर दिया गया है। कोहरे से बचाव के लिए ट्रेनों में नई डिवाइस लगा दी गई है। इस तरह के बड़े-बड़े दावे रेल मंत्रालय द्वारा किए जाते हैं। वास्तविक हकीकत में वह दावे कहीं नजर नहीं आते हैं। पहले इस तरह की दुर्घटनाएं होती थीं तो रेल मंत्री अपना इस्तीफा देकर नैतिक जिम्मेदारी लेते थे। इसका असर रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों में होता था। पिछले 10 साल में इतनी बड़ी-बड़ी रेल दुर्घटनाएं हुईं हैं। सरकार के मंत्री और रेलवे के बड़े अधिकारी ना तो जिम्मेदारी लेते हैं, नाही दोषियों पर कोई कार्रवाई करते हैं। नीतिगत और नैतिक जिम्मेदारी रेल मंत्री की होती है। रेलवे की दुर्घटनाओं को लेकर अब लोगों का गुस्सा बढ़ने लगा है।

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ख्रद्ढद्ब ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रुकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफ्ट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

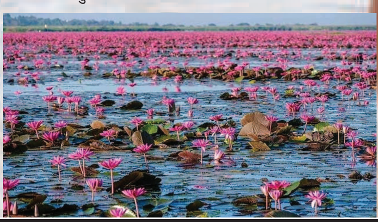

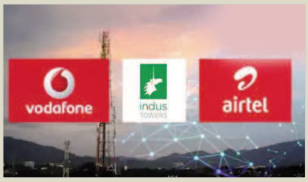

वोडाफोन ग्रुप ने इंडस टावर्स के शेयर बेच......भारती एयरटेल ने हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई ।

दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल ने टेलीकॉम प्रोवाइडर कंपनी इंडस टावर्स में 1 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। कंपनी ने बताया कि इंडस टावर्स के करीब 2.695 करोड़ शेयरों को खरीद लिया। खरीदारी के बाद भारती एयरटेल की इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बढ़कर करीब 49 फीसदी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कंपनी वोडाफोन ग्रुप पीएलसी ने बुधवार को इंडस टावर्स के करीब 20 फीसदी शेयरों को बेच दिया है। रिपोर्ट ने कहा कि वोडाफोन ग्रुप ने इंडस टावर्स के 53.3 करोड़ शेयरों को 17,065 करोड़ रुपये में बेच दिए। इंडस टावर्स में वोडाफोन की हिस्सेदारी खरीदने की दौड़ में प्राइवेट इक्विटी फर्म आई स्क्वैयर्ड कैपिटल और स्टोनपीक भी शामिल थीं। गौरतलब है कि वोडाफोन ग्रुप पीएलसी को अपनी भारतीय यूनिट से काफी नुकसान देखने को मिला है। ब्रिटिश कंपनी ने भारत में अब और निवेश नहीं करने का फैसला किया है। ब्रिटिश कंपनी ने साल 2022 में ही ऐलान किया था कि वह इंडस टावर्स में अपनी मौजूदा 28 फीसदी हिस्सेदारी को बचेगी। हालांकि, यह अपने शेयरों को उस रफ्तार से नहीं बेच सकी, जितने की उम्मीद थी।

वैश्विक ऊर्जा बदलाव सूचकांक में भारत 63वें स्थान पर

नई दिल्ली । विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) द्वारा जारी वैश्विक ऊर्जा बदलाव सूचकांक में भारत दुनिया में 63वें स्थान पर पहुंच गया है। डब्ल्यूईएफ ने कहा है कि भारत ने ऊर्जा समानता, सुरक्षा और स्थिरता के मामले में उल्लेखनीय सुधार किया है। इस सूचकांक में यूरोपीय देशों का दबदबा है। स्वीडन सूचकांक में शीर्ष पर है। इसके बाद डेनमार्क, फिनलैंड, स्विटजरलैंड और फ्रांस शीर्ष पांच देशों में शामिल हैं। वहीं चीन का स्थान 20वां है। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि भारत और कुछ अन्य विकासशील देशों मसलन चीन और ब्राजील द्वारा दिखाया गया सुधार महत्वपूर्ण है। भारत द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख कर डब्ल्यूईएफ ने कहा कि देश इसतरह के नतीजे देने में अग्रणी रहा है,जिन्हें अन्य स्थानों पर दोहराया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि सरकारें जागरूकता पैदा करने और नीतिगत हस्तक्षेप पर भी विचार कर सकती हैं। चीन और भारत की भूमिका पर डब्ल्यूईएफ ने कहा कि वैश्विक आबादी की लगभग एक-तिहाई के साथ ये दोनों देश आगे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डब्ल्यूईएफ ने कहा कि दोनों ही देशों ने नवीकरणनीय ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा पहुंच में सुधार और ऊर्जा सुरक्षा के मामले में प्रगति की है। इसके अलावा ये देश हरित प्रौद्योगिकी विनिर्माण के लिए भी मजबूत स्थिति में हैं।

निसान मेगनाइट का फेसलिफ्ट वर्जन होगा लांच

मुंबई ।

देश में निसान जल्दी ही मेगनाइट का फेसलिफ्ट वर्जन ला सकती है। अनुमान है कि इसे जनवरी 2025 में भारत में लाया जा सकता है। इस कार की भारत में टेस्टिंग की जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसके एक्सटीरियर और इंटीरियर में हल्के बदलाव के साथ कुछ नए फीचर्स को जोड़ा जा सकता है। इसकी हेडलाइट्स, फ्रंट ग्रिल, रियर बंपर, अलॉय व्हील्स आदि में बदलाव देखने को मिलेंगे। फेसलिफ्ट वर्जन में मौजूदा एक लीटर का तीन सिलेंडर वाला ही इंजन दिया जाएगा, जिससे 72 हॉर्स पावर और 96 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। वहीं टर्बो इंजन से इसे 100 हॉर्स पावर और 160 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलेगा। इसके साथ 5 स्पीड मैनुअल, सीवीटी और एएमटी ट्रांसमिशन के विकल्प भी दिए जाएंगे।फेसलिफ्ट वर्जन की शुरूआती कीमत मौजूदा मॉडल से थोड़ी ज्यादा हो सकती है। कंपनी ने निसान मेगनाइट फेसलिफ्ट को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है।

टैक्स से केंद्र की नई सरकार हुई मालामाल

सरकारी खजाना भी भरा

कलेक्शन 21 फीसदी बढ़ा 4.62 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा

नई दिल्ली।

लगातार तीसरी बार पीएम मोदी और उनकी नई सरकार के लिए चालू वित्त वर्ष सरकारी खजाने के लिए बेहतर साबित हो रहा है। टैक्स से सरकार की आय लगातार बढ़ रही है। नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन चालू वित्त वर्ष में अब तक 21 फीसदी से बढ़कर 4.62 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने बताया कि इसमें एडवांस टैक्स कलेक्शन में हुई बढ़ोतरी का विशेष योगदान रहा। एडवांस टैक्स की पहली किस्त 15 जून को देय थी। यह कलेक्शन 27.34 फीसदी बढ़कर 1.48 लाख करोड़ रुपए रहा। इसमें 1.14 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट इनकम टैक्स (सीआईटी) और पर्सनल इनकम टैक्स (पीआईटी) और 34,470 करोड़ रुपए का और पीआईटी शामिल है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज यानी सीबीडीटी ने अपने बयान में कहा कि 4,62,664 करोड़ रुपए 17 जून, 2024 तक के नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 1,80,949 करोड़ रुपए का सीआईटी और 2,81,013 करोड़ रुपए का पीआईटी शामिल हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में 17 जून तक 53,322 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया है। यह पिछले साल इसी अवधि में जारी किए गए रिफंड से 34 फीसदी ज्यादा है। इस साल एक अप्रैल से 17 जून के बीच डायरेक्ट टैक्सेज का ग्रॉस कलेक्शन सालाना आधार पर 22.19 फीसदी बढ़कर 5.16 लाख करोड़ रुपए रहा है।

भारत मैगी के लिए पहला.....किटकैट के लिए दूसरा बड़ा बाजार , नेस्ले इंडिया की वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई।

भारत नेस्ले के इंस्टैंट नूडल्स व सूप ब्रांड मैगी के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा बाजार बन चुका है,जबकि किटकैट के लिए यह दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। नेस्ले इंडिया की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत लोकप्रिय इंस्टेंट नूडल्स और तैयार व्यंजन आदि बेचती है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में मैगी की छह अरब से अधिक सर्विंग्स बेचीं, जिससे '' भारत दुनियाभर में मैगी के लिए सबसे बड़ा नेस्ले बाजार बन गया।'' नेस्ले मैगी ब्रांड के तहत अपनी बिक्री में इजाफा कर रही है। नेस्ले ने 10 रुपये की किफायती कीमत पर ओट्स नूडल, कोरियन नूडल्स और अलग-अलग मसाले वाली मैगी व नूडल्स पेश किए हैं। नेस्ले इंडिया ने कहा कि किटकैट की 4,20 करोड़ 'फिंगर्स' बेचीं। नए उत्पादों को पेश करने, वितरण नेटवर्क के विस्तार और अभिनव ब्रांड से वृद्धि को बढ़ावा मिला। कंपनी 2020 और 2025 के बीच नई क्षमताओं को विकसित करने और मौजूदा क्षमताओं का विस्तार करने के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है, जिसमें निरंतर वृद्धि और नवोन्मेषण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।''

सोने और चांदी की कीमतें घटीं

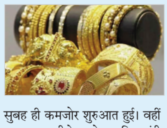

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की वायदा कीमतें नीचे आयीं। सुबह सोना केवल एक रुपये की तेजी के साथ खुला पर इसके बाद में इसके भाव नीचे आने लगे जबकि चांदी के वायदा भाव की सुबह ही कमजोर शुरुआत हुई। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव नीचे आये जबकि चांदी के वायदा भाव उछले। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज हल्की तेजी के साथ हुई पर बाद में इसके भाव नीचे आने लगे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज केवल एक रुपये की बढ़त के साथ 71,740 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 82 रुपये की गिरावट के साथ 71,657 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 71,740 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,645 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज कमजोर रही। एमसीएक्सापर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 120 रुपये की गिरावट के साथ ही 88,960 रुपये पर खुला। ये 88,960 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 88,852 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। पिछले महीने ही चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट पर रही लेकिन चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। कामेक्स पर सोना 2,344.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 2,346.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 1.50 डॉलर की गिरावट के साथ 2,345.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.61 डॉलर के भाव पर खुले, इसका पिछला बंद भाव 29.56 डॉलर था।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतो के साथ ही बैंकिग व आईटी शेयरों में खरीददारी से बाजार उछला और सेंसेक्स और निफ्टी अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे पर इसके बाद बाजार फिर नीचे आने लगा। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 77,851 और 23,664 के शीर्ष स्तर पर पहुंचे पर उसके बाद टूट गये। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 36 अंक करीब 0.05 फीसदी बढ़कर 77,337 और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी नीचे आकर 23,516 पर बंद हुआ।

इस दौरान बैंकिंग शेयरों में बड़ी तेजी रही। निफ्टी बैंक 957 अंक करीब 1.90 फीसदी की तेजी के साथ बढ़कर 51,398 पर बंद हुआ। बैंकिंग, आईटी और फिन सर्विस इंडेक्स ही उछलकर बंद हुए हैं। वहीं वाहन , फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स नीचे आकर बंद हुए । कारोबारी सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली आई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 538 अंक या 0.97 की गिरावट के साथ 54,951 और निफ्टी स्मॉलकैप 83 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी नीचे आकर 18,155 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 3.06 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस के शेयर बढ़े जबकि टाइटन का शेयर सबसे ज्यादा 3.46 फीसदी टूटकर बंद हुआ। इसके अलावा एलएंडटी, भारती एयरटेल, मारुति, एनटीपीसी, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, अल्ट्रा सीमेंट, आईटीसी के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ खुला। आज सुबह सूचकांक शुरुआती 90 अंक की बढ़त के साथ 77,394 के स्तर के आसपास कारोबार करता दिखा। इसी तरह निफ्टी 19 अंक ऊपर 23,576 के स्तर पर दिखा। वहीं बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.25 फीसदी तक ऊपर आकर रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचे। निफ्टी मेटल 0.4 फीसदी और निफ्टी एफएमसीएच 0.35 फीसदी पर रहा। निफ्टी रियल्टी 0.8 फीसदी नीचे आया।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिकी वायदा बाजारों में मिश्रित कारोबार हुआ। नैस्डैक, एसएंडपी रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ जबकि डाओ जोन्स में 56 अंक की तेजी आई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बाजार बढ़त पर रहे। जापान का निक्केई 0.5 फीसदी ऊपर आया जबकि कोस्पी और ताइवान लगभग एक फीसदी उछला। ऑस्ट्रेलियाई इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक- एस एंड पी एएसएक्स 200 और ऑल ऑर्डिनरीज़ ने सपाट नोट पर कारोबार किया। इससे पहले गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज और प्राइवेट फर्मों की नजर भारत की सीरम पर

नई दिल्ली।

बायो फार्मास्युटिकल्स कंपनी भारत सीरम एण्ड वैक्सीन्स (बीएसवी) पर डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज (डीआरएल) और वैश्विक प्राइवेट इक्विटी फर्मों ईक्यूटी और वारबर्ग पिनकस की नजर टिक गई है। सूत्रों ने बताया कि तीनों कंपनियां इस कंपनी में एडवेंट की हिस्सेदारी खरीदना चाहती हैं। सूत्रों ने कहा कि मैनकाइंड फार्मा भी इस होड़ में शामिल है लेकिन उसे मूल्यांकन ज्यादा लग रहा है। एक सूत्र ने बताया कि बीएसवी की कीमत 1.25 अरब से 1.5 अरब डॉलर लगाई है, जबकि पहले दो अरब डॉलर मूल्यांकन पर बात हुई थी। 2019 में कंपनी का मूल्यांकन 50 करोड़ डॉलर था। सूत्रों ने कहा कि अगर बीएसवी का मूल्यांकन कम होता है तो मैनकाइंड इस बारे में सोच सकती है। मैनकाइंड फार्मा, डीआरएल, ईक्यूटी और वारबर्ग पिनकस से भारत सीरम एण्ड वैक्सीन्स में हिस्सेदारी खरीदने की योजना के बारे में पूछा गया लेकिन चारों ने ही इनकार कर दिया। प्राइवेट इक्विटी दिग्गज एडवेंट ने फरवरी 2020 में भारत सीरम एण्ड वैक्सीन्स में पीई निवेशकों ऑर्बिमेड एशिया और कोटक पीई की समूची हिस्सेदारी खरीद ली थी जिसके बाद कंपनी में उसकी कुल 74 फीसदी हिस्सेदारी हो गई थी। फार्मास्युटिकल्स विभाग से मंजूरी मिलने के बाद 2023-24 में एडवेंट ने दफ्तरी परिवार से बाकी 26 फीसदी हिस्सेदारी भी खरीद ली। अब वह बीएसवी से निकलना चाह रही है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024 में बीएसवी का कर पूर्व मुनाफा 500 करोड़ रुपए रहा और वित्त वर्ष 2025 में कंपनी 650 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाना चाहती है। एडवेंट को वित्त वर्ष 2025 के कर पूर्व मुनाफे से 20 से 25 गुना कीमत मिलने की उम्मीद है। उद्योग सूत्रों ने कहा कि बीएसवी महिला स्वास्थ्य से जुड़े उत्पादन बनाती है। साथ ही वह प्रजनन चिकित्सा में मदद करती है और क्रिटिकल केयर उत्पाद भी बनाती है। सूत्रों ने कहा कि निस्संतान मामले बढ़ने के कारण ऐसे उत्पादों और सेवाओं की काफी मांग है और इनका बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि फार्मा कंपनियां बीएसवी में दिलचस्पी दिखा रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक देश में करीब दो करोड़ दंपती संतान नहीं होने से परेशान हैं और दुनिया भर में ऐसे छह से आठ करोड़ दंपती हैं। पिछले साल के अंत से खबरों में दावा किया गया है कि जायडस कैडिला, डीआरएल और कार्लाइल, ब्लैकस्टोन और केकेआर जैसी पीई दिग्गज बीएसवी में एडवेंट की हिस्सेदारी लेने की इच्छुक हैं।

1 जुलाई 2024.....टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की कीमत में होगा इजाफा

मुंबई । टाटा समूह की ऑटो सेक्टर की कंपनी टाटा मोटर्स अपने वाणिज्यिक वाहनों (कमर्शियल व्हीकल्स) की कीमत में इजाफा करने को तैयार है। कंपनी ने बताया कि वह कमर्शियल वाहनों की कीमत में 2 फीसदी का इजाफा करेगी। नई कीमत 1 जुलाई, 2024 से लागू होगी। टाटा मोटर्स ने कहा कि कंपनी वाहनों की कीमत में इजाफा कमोडिटी (पेट्रोल, डीजल) की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से ले रही है। 1 जुलाई से नए वाहनों पर लागू होने वाली कीमत अलग-अलग मॉडल और वेरिएंट की गाड़ियों के लिए अलग-अलग होगी। नई कीमत पूरे देशभर में टाटा के वाहनों पर लागू होगी। टाटा मोटर्स लग्जरी कारों से लेकर ट्रक तक बनाए जाने में शुमार है। कंपनी मौजूदा समय में कार, पिक-अप, ट्रक और बसों की मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक गाड़ियां भी मार्केट में हैं। टाटा मोटर्स इस समय कमर्शियल व्हीकल के मामले में भारत की सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी की कमर्शियल वाहनों की लिस्ट में मिनी ट्रक, ट्रक, बस और वैन जैसे व्हीकल्स शामिल हैं। 3.27 लाख करोड़ के मार्केट कैप वाली कंपनी टाटा मोटर्स के शेयरों में बुधवार को गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयरों ने 1 साल में निवेशकों को करीब 74 फीसदी का रिटर्न दिया है, वहीं 6 महीने में इसके शेयर 35 फीसदी से ज्यादा चढ़ चुके हैं।

क्या है एफएंडओ ट्रेडिंग.......जिस पर सख्ती करने जा रहा सेबी

डेरिवेटिव ट्रेडिंग के नियमों में बदलाव की तैयारी

मुंबई ।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग यानी वायदा और विकल्प ट्रेडिंग को लेकर सेबी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेशकों को सतर्क किया था। लेकिन इसके बावजूद खुदरा निवेशकों की इसमें रुचि बढ़ रही है। लिहाजा, इससे जुड़े खतरों से निपटने के लिए सेबी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के नियमों में कई बदलावों करने की तैयारी कर रहा है। डेरिवेटिव एक फॉर्मल वित्तीय कॉन्ट्रैक्ट है, जो निवेशक को भविष्य की तिथि के लिए संपत्ति खरीदने और बेचने की अनुमति देता है। डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट की समाप्ति तिथि पहले से निर्धारित होती है। खुदरा निवेशकों के दम पर इंडेक्स और स्टॉक ऑप्शंस की ट्रेडिंग पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। यह देखकर वित्त मंत्री सीतारमण ने पिछले माह कहा था कि एफएंडओ में रिटेल ट्रेडिंग में उछाल से आगे कई चुनौतियां आ सकती हैं, जो मार्केट के साथ ही निवेशकों के रुझान और परिवारों के वित्तीय स्थिति को लेकर हो सकती है। इसके बाद अब सेबी नए नियमों पर विचार कर रहा है, जिससे खतरे कम रहें। सूत्रों के मुताबिक, सेबी इंडेक्स और स्टॉफ ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट्स पर खुलासे के लिए भी कह सकता है, जबकि अभी सिर्फ ऑप्शंस एक्टिविटी और ओपन इंट्रेस्ट पर खुलासा होता है। सेबी एक्सचेंजों को टर्नओवर पर चार्ज लगाने की बजाए फ्लैट फीस लेने के लिए भी कह सकता है।

क्या है एफएंडओ ट्रेडिंग

एफएंडओ ट्रेडिंग का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक को सहूलियत मिलती हैं कि वह कम पूंजी के साथ किसी स्टॉफ, कमोडिटी, करेंसी में बड़ी पोजिशन ले सकता है। इस तरह की ट्रेडिंग में ज्यादा खतरा होता है। ज्यादातर निवेशक अपना सबकुछ डुबो देते हैं। सेबी की एक स्टडी से पता चला है कि 10 में से 9 खुदरा निवेशकों को एफएंडओ मार्केट में अपने लगाए दांव पर नुकसान होता है।

आरबीआई भी निगरानी कर रहा

आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास ने भी एफएंडओ को लेकर सख्ती का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक सेबी के साथ मिलकर एफएंडओ में हाई ट्रेडिंग वॉल्यूम पर नजर रख रहा है। हालांकि इसपर कोई भी कार्रवाई मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा ही की जाएगी। आरबीआई के पॉलिसी रुख में कब बदलाव होगा, इस लेकर उन्होंने कहा कि ऐसा करना बहुत जल्दबाजी होगा।

22 जून को होने वाली बैठक में ऑनलाइन गेमिंग फर्मों को मिल सकती है राहत

28 फीसदी टैक्स लगाए जाने पर जारी विवाद का हो सकता है समाधान

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 22 जून को होने वाली बैठक में ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर 28 फीसदी कर लगाए जाने पर जारी विवाद का इस बैठक में समाधान निकल सकता है। एक जानकार ने बताया कि जीएसटी परिषद केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। इसमें केंद्र और राज्यों को कानून में अस्पष्टता और व्यवसायों द्वारा लगातार सामान्य कार्यप्रणाली के चलते भुगतान नहीं किए जा रहे जीएसटी को माफ करने का अधिकार मिलेगा लेकिन ऐसे व्यवसायों द्वारा अतीत में चुकाया गया कर वापस नहीं किया जाएगा। देखा है कि अगर प्रस्तावित संशोधन को लागू किया जाता है तो ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि उन्हें 70 से ज्यादा नोटिस भेजकर 1.12 लाख करोड़ रुपए की कर मांग की गई है। प्रस्तावित संशोधन की विधि समिति जांच कर रही है कि यह केंद्रीय उत्पाद शुल्क व्यवस्था में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणालियों के अनुरूप है और सीमा शुल्क अधिनियम में भी इसका पालन किया जा रहा है। संशोधन लागू होने से ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को एक अक्टूबर, 2023 से पहले के सकल गेमिंग राजस्व पर लगाए गए कर से छूट मिल सकती है, लेकिन किसी कंपनी ने जीएसटी का भुगतान किया है तो उसे रिफंड नहीं किया जाएगा। वर्तमान में जीएसटी कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके तहत केंद्र और राज्य सरकारें कानून में अस्पष्टता या सामान्य कार्यप्रणाली के कारण जीएसटी भुगतान से छूट दे सकें। नया प्रावधान जोड़ने के लिए विधि समिति ने सीजीएसटी कानून में धारा 11ए शामिल करने की सिफारिश भी की है जिससे केंद्र और राज्यों को जीएसटी कानून के तहत इसका अधिकार मिल जाएगा। यह मामला उस समय आया जब पिछले साल अगस्त में जीएसटी परिषद ने कानून में संशोधन कर ऑनलाइन खेलों में सट्टे या लगाई गई पूरी राशि पर 28 फीसदी की दर से कर लगाने का प्रावधान किया था।

एनवीडिया दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी

मुंबई ।

एआई चिप बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एनवीडिया दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। कंपनी ने माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। कंपनी के शेयरों में 3.5 फीसदी तेजी आई और इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 3.34 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। माइक्रोसॉफ्ट के शेयरों में 0.5 फीसदी और एप्पल के शेयरों में 1.1 फीसदी गिरावट देखी गई। माइक्रोसॉफ्ट 3.32 ट्रिलियन डॉलर के साथ अब दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। एप्पल 3.27 ट्रिलियन डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर है। एनवीडिया के शेयरों में साल 2024 में 174 फीसदी तेजी आई है, जबकि पिछले साल कंपनी का शेयर 239 फीसदी चढ़ा था। साल की पहली तिमाही में कंपनी के रेवेन्यू में 262 प्रतिशत और प्रॉफिट में 462 प्रतिशत की तेजी आई।

एआई चिप की डिमांड में हाल के दिनों में काफी तेजी आई है। इसका सबसे ज्यादा फायदा एनवीडिया को हुआ है। दुनिया में एआई चिप की बिक्री में एनवीडिया की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।

इसकारण दुनिया के एनालिस्ट्स को लगता है कि कंपनी का शेयर अभी और ऊपर जा सकता है। कंपनी के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग ने हाल में कहा था कि एनवीडिया साल 2026 में अपना सबसे एडवांस्ड एआई चिप प्लेटफॉर्म रुबिन लांच करेगी। यह ब्लैकबॉल का स्थान लेगा जो डेटा सेंटर्स को चिप सप्लाई करता है। इस मार्च में लांच किया गया था और तब कंपनी ने दुनिया का सबसे पावरफुल चिप बताया था।

ताइवान में पैदा हुए हुआंग ने साल 1993 में एनवीडिया की स्थापना की थी। इस कंपनी में उनकी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एनवीडिया के शेयरों में तेजी से हुआंग की नेटवर्थ भी रॉकेट की स्पीड से बढ़ी है। इस साल वह सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स हैं।

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक हुआंग की नेटवर्थ इस साल 74.9 अरब डॉलर बढ़ी है। वह 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 12वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 113 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के 13वें सबसे अमीर शख्स हैं। गौतम अडानी 108 अरब डॉलर के साथ 14वें नंबर पर हैं।

हुण्डई मोटर कंपनी कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर कर रही विचार

नई दिल्ली।

हुण्डई मोटर कंपनी अपने कारोबार को भारत में सूचीबद्ध कराने पर विचार कर रही है। इससे उत्साहित होकर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने भारतीय कारोबार को स्टॉक एक्सचेंज पर लाने की सोच रही हैं। सूत्रों ने कहा कि करीब आधा दर्जन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ उनकी बातचीत चल रही है। वे अपनी कीमत बढ़ाने और रकम जुटाने में मूल कंपनी की मदद करने के लिए भारत में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि किन कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है लेकिन संकेत दिया कि हुण्डई की इस पहल पर कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां नजर जमाए हुए हैं। हुण्डई इंडिया के शुरुआती आईपीओ के लिए काम करने वाले एक निवेश बैंकर ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि आईपीओ के लिए कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ बातचीत हुई है। भारतीय बाजार अधिक मूल्यांकन, जबरदस्त नकदी प्रवाह और सभी प्रकार के निवेशकों तक पहुंच प्रदान करते हैं। हुण्डई का आईपीओ अन्य संभावित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आईपीओ के लिए एक कसौटी साबित होगा। हुण्डई मोटर कंपनी ने पिछले सप्ताह अपनी भारतीय इकाई हुण्डई मोटर इंडिया में 17.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास निर्गम दस्तावेज जमा कराए थे। कंपनी का आईपीओ 25,000 करोड़ रुपए का होगा जो भारतीय बाजार में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। खबरों में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया की प्रमुख होम अप्लायंस कंपनी एलजी भी अपनी भारतीय इकाई एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को सूचीबद्ध कराने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत में कारोबार करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रूस की कंपनी नयारा एनर्जी, सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर शामिल हैं। बाजार प्रतिभागियों ने कहा कि पांच लाख करोड़ डॉलर के भारतीय बाजार में पेशकश किया गया मूल्यांकन कोरिया, रूस और यूरोप के मुकाबले करीब दो से पांच गुना अधिक है। सेंट्रम कैपिटल के पार्टनर ने कहा कि आम तौर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियां और विशेष रूप से पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने घरेलू बाजार के बाहर सूचीबद्ध होना नहीं चाहती हैं।

टी20 विश्व कप: सुपर आठ में अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप में गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ सुपर आठ के अपने पहले मुकाबले में उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य बड़ी जीत दर्ज कर अपने अभियान को आगे बढ़ाना रहेगा। अमेरिकी पिचों पर भारतीय बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस पिच पर बड़े स्कोर बनाना रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पर भी सबकी नजरें रहेंगी। वह अबतक के मैचों में विफल रहे हैं। ऐसे में सुपर आठ में उनसे बड़ी पारी की उम्मीदें हैं। वेस्टइंडीज की पिचों पर स्पिनरों का मिलने वाली सहायता को देखते हुए भारतीय टीम बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है हालांकि टीम में ज्यादा बदवाव होने की कोई संभावना नहीं है।

इस टूर्नामेंट की शुरूआत में कप्तान रोहित शर्मा ने चार ऑलराउंडरों हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा को अंतिम एकादश में रखने पर जोर दिया था। न्यूयॉर्क में गेंदबाजों की मददगार पिच पर यह रणनीति भारत के लिये कारगर भी साबित हुई। इससे आठवें नंबर तक बल्लेबाजी को गहराई मिलती है और कप्तान इस संयोजन में छेड़छाड़ नहीं करना चाहेंगे। ऐसे में कुलदीप को टीम में लाने के लिए मोहम्मद सिराज या अर्शदीप सिंह को बाहर रखना होगा। ऐसा होने पर सिराज को बाहर रहना पड़ सकता है। भारतीय टीम के दो अभ्यास सत्रों को देखें तो पिच से स्पिनरों को मदद मिलने के कारण कुलदीप की दावेदारी पक्की हुई है। केनसिंग्टन ओवल के आसपास ठंडी हवाओं से पावरप्ले में तेज गेंदबाजों को स्विंग मिलना चाहिए।

भारतीय प्रशंसकों की नजरें विराट पर लगी होंगी जो अभी तक इस टूर्नामेंट में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में वेस्टइंडीज में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। बीच के और डैथ ओवरों में छक्के लगाने के लिए टीम में शामिल किए गए शिवम अभी तक प्रभावी नहीं दिखे हैं। अमेरिका की पिचों पर वह खुलकर नहीं खेल सके लेकिन अब वह बड़े शॉट खेलना चाहेंगे।

सूर्यकुमार यादव ने अमेरिका के खिलाफ अपने अंदाज के विपरीत खेलकर रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में अच्छ प्रदर्शन कर रहे हार्दिक पांड्या भी रन नहीं बना सके हैं। अर्शदीप का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है और वह जसप्रीत बुमराह का अच्छी तरह से साथ दे रहे हैं। स्पिनरों की सहायक पिच पर अक्षर और जडेजा भी उपयोगी साबित होंगे। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप चरण के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज से हारकर यहां पहुंची है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ रहेगा। उसके पास हालांकि अच्छे गेंदबाज है पर भारत के खिलाफ अब तक हुए सभी मुकाबलों में उसे हार मिली है। कप्तान राशिद खान और तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी से भारतीय बल्लबाजों को सावधान रहना होगा। इसके अलावा उसके बल्लेबाजों रहमानुल्लाह गुरबाह और इब्राहिम जदरान पर भी अंकुश लगाना होगा।

टीम

भारत –रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह।

अफगानिस्तान – रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, राशिद खान (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, नजीबुल्लाह जदरान, नवीन-उल-हक, करीम जनत, फजलहक फारूकी

एडक्टर में दिक्कत, ओलंपिक के बाद डॉक्टर की सलाह लेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कु (फिनलैंड) (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह पेरिस ओलंपिक के बाद 'एडक्टर' (जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों) में होने वाली तकलीफ के इलाज के लिए डॉक्टरों से सलाह लेंगे। एक महीने के ब्रेक के बाद ट्रैक और फील्ड पर लौटे चोपड़ा ने पावो नुरमी खेलों में तीसरे प्रयास में 85.97 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। चोपड़ा ने पिछले महीने एहतियात के तौर पर ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से नाम वापस ले लिया था चूंकि वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने जीत के बाद कहा, 'आज मौसम अच्छा था और थोड़ी ठंडक थी। अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं क्योंकि सभी छह थ्रो फेंक सका।' उन्होंने कहा, 'हर साल मुझे एडक्टर में दिक्कत होती है। ओलंपिक के बाद मैं डॉक्टरों से राय लूंगा।' पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के दावेदार चोपड़ा ने दो साल पहले इस टूर्नामेंट में 89 . 30 मीटर के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने सत्र की शुरूआत मई में दोहा डाइमंड लीग में 88.36 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहकर की। उन्होंने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी भाग लेकर 82.27 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अब वह सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे। पंचकूला में 27 जून से होने वाली राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स में वह नहीं खेलेंगे। वह यूरोप में कोच क्लाउस बर्तोनीज और फिजियो ईशान मारवाहा के साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर अभ्यास करेंगे। उन्होंने फिनलैंड के कुओर्ताने में तैयारियों का आगाज किया और अब जर्मनी के सारब्रकेन जाएंगे।इसके बाद वह तुर्किये में अभ्यास करेंगे और 28 जुलाई तक वहीं रहेंगे।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, महज 84 मैचों में की मिताली राज के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बुधवार को साउथ अफ्रीका इतिहास रच दिया। मंधाना ने महिला वनडे में सर्वाधिक शतकों के पूर्व कप्तान मिताली राज के सर्वकालिक भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। स्मृति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 3 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक और स्ट्रोक भरी पारी में अपनी 7वां वनडे शतक पूरा किया।

स्मृति मंधाना ने 16 जून रविवार को एकदिवसीय सीरीज के शुरुआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की जीत में 117 रन बनाकर एक के बाद एक शतक लगाए हैं। स्मृति थ्री-फिगर स्कोर तक पहुंचने के बाद रोमांचित हो गई, उन्होंने अपना हेलमेट उतारने से पहले खुशी में हवा में मुक्का मारा और भीड़ से मिले प्यार को स्वीकार किया।

वनडे में भारतीय महिलाओं के लिए सर्वाधिक शतक

मिताली राज- 232 मैचों में 7

स्मृति मंधाना- 84 मैचों में 7

हरमनप्रीत कौर- 132 मैचों में 5

स्मृति मंधाना ने सिर्फ 103 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और वह पूरी तरह नियंत्रण में दिखीं, जिससे भारत 40वें ओवर में 200 रन के पार पहुंच गया। मंधाना को पहले पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने शांत रखा, लेकिन बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने अपना जादू ढूंढ लिया और विपक्षी गेंदबाजों पर हावी हो गई।

टी20 विश्वकप के सुपर आठ में आज होगा वेस्टइंडीज और इंग्लैंड का मुकाबला

सेंट लूसिया (एजेंसी)। वेस्टइंडीज टीम गुरुवार को टी20 विश्वकप के सुपर आठ में इंग्लैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। पिछले मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत से उसका हौंसला बढ़ा हुआ है। ऐसे में अब वह जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दोनों दो बार टी20 विश्व कप में जीते हैं। वेस्टइंडीज टीम इस बार टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं हारी है जबकि इंग्लैंड बड़ी मुश्किल से सुपर आठ में पहुंची है। अब कप्तान जोस बटलर और उनकी टीम के पास नये सिरे से शुरूआत करने का मौका है। वहीं लगातार इस मैदान पर जीत रही इस लय को बनाये रखना चाहेगी। कप्तान रोवमैन पॉवेल ने मैच से पूर्व कहा, ''अफगानिस्तान को हराकर इंग्लैंड को कोई संदेश नहीं देना था। उन्हें बस इतना बताना था कि वह अच्छा खेल रहे हैं तो हम भी कुछ कम नहीं हैं। यह शानदार मैच होगा।'

वेस्टइंडीज की टीम ने अब तक एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। जरूरत पड़ने पर उसके बल्लेबाज चले हैं, फिर चाहे शेन रदरफोर्ड हो या निकोलस पूरन। इसी तरह गेंदबाजों ने भी अपना काम अच्छे से किया है। सपाट पिचें और छोटी सीमारेखा होने से मैदान बल्लेबाजों के लिए लाभप्रद रहे हैं।

इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी क्रम के सामने वेस्टइंडीज को अकील हुसैन और गुडाकेश मोती जैसे स्पिनरों से उम्मीद रहेगी। पिच भले ही बल्लेबाजों की मददगार हो लेकिन तेज गेंदबाजों को भी अतिरिक्त उछाल मिलेगा और ऐसे में मध्यम तेज गेंदबाज ओबेद मैकॉय की भूमिका अहम होगी। इंग्लैंड के पास तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड हैं जिनका सामना भी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज कैसे करते हैं ये देखना होगा।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड।

वेस्टइंडीज- रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

हमने अपनी गलतियों से अब तक सबक नहीं लिया : हसरंगा

ग्रोस आइलेट (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम इस बार टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के कारण सुपर आठ तक का सफर भी नहीं तय कर पायी है। उसी को लेकर टीम के कप्तान वानिंदु हसरंगा ने कहा है कि टीम ने लगातार गलतियां की हैं जिन्हें अब सुधारना है। ताकि आगे के टूर्नामेंटों में वह बेहतर प्रदर्शन कर सके। पिछले साल श्रीलंकाई टीम एकदिवसीय विश्व कप में नौवें स्थान पर रही थी पर इसके बाद भी उसने कोई सुधार नहीं किये। इसी कारण वह इस टी20 विश्वकप में सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। हसरंगा ने कहा, 'इस स्थिति के लिए मै निराश हूं। हमने इस विश्व कप और इससे पहले एकदिवसीय विश्व कप में की गयी गलतियों पर चर्चा की थी पर उससे कुद सीखा नहीं। इसी कारण टीम की बल्लेबाजी तब भी खराब भी और अब भी है हालांकि हमारे गेंदबाजों का प्रदर्शनर अच्छा रहा है। हसरंगा ने टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ अपने मैच हारने के बाद नीदरलैंड के खिलाफ अपनी टीम को मिली जीत को देर से मिली सफलता बताया है। श्रीलंका ने ग्रुप डी के इस अंतिम मैच में छह विकेट पर 201 रन बनाने के बाद नीदरलैंड को 118 रन पर आउट कर दिया था।

पांड्या और ऋषभ का फार्म में होना टीम के लिए फायदेमंद : हरभजन

फ्लोरिडा। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और विकेटकीपर के अलावा बल्लेबाज ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर शानदार प्रदर्शन टीम के लिए एक सकारात्मक संकेत है। पांड्या ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उबर कर वापसी की है। वहीं ऋषभ ने कार हादसे के बाद पहले ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पुरानी लय हासिल कर ली है। इसी कारण भारतीय टीम आसानी से सुपर आठ में पहुंच गयी है। हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि पांड्या विकेट ले रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। विश्व कप से पहले आईपीएल में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की। वहीं ऋषभ ने इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए बेहद कठिन पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से अंतर पैदा किया है। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे पर अब वह संभव नहीं लग रहा है। हरभजन ने कहा, 'ऋषभ को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है। भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है पर चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो निडर होते हैं।

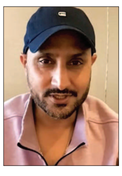

इंग्लैंड के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर: वॉन

-बटलर और आर्चर को निभानी होगी अहम भूमिका

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि उनकी टीम के पास टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट फिर जीतने का अच्छा अवसर है पर इसके लिए कप्तान जोस बटलर और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ी लय में नहीं है और उसने बड़ी मुश्किलों से सुपर आठ में जगह बनायी है। उसे अब सुपर आठ में सह-मेजबान वेस्टइंडीज और अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका का भी मुकाबला करना है। वॉन ने कहा, सेमीफाइनल और उससे भी आगे तक पहुंचने के लिए इंग्लैंड को अपने सर्वश्रेष्ठ दो खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उन्होंन कहा कि आर्चर इंग्लैंड के लिए बहुत अहम हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो 20 ओवरों में से हर ओवर में गेंदबाजी कर सकते हैं और उनकी वापसी अब तक काफी अच्छी रही है।

वॉन ने साथ ही कहा, बटलर को भी सुपर आठ के लिए फॉर्म में आना होगा। कप्तान को बल्ले से बेहतर प्रदर्शन की जरूरत है क्योंकि वह अपने बल पर टीम को मैच जिता सकते हैं। इंग्लैंड को उनकी जरूरत पड़ने वाली है। उन्होंने कहा कि अगर इंग्लैंड टीम अपने खिताब को बचाने के लिए पूरी तरह से एकजुट होकर प्रयास करती है किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिये। अगर इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतता है तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी20 विश्व कप में इंग्लैंड टीम आयरलैंड से हार गयी थी और तब भी इसी प्रकार लगा था कि हम बाहर हो जाएंगे पर उन्होंने वापसी करते हुए खिताब जीता। - लेकिन उन्होंने इसे पीछे छोड़ दिया, लगातार चार गेम जीते और खिताब अपने नाम किया।

वॉन ने साथ ही कहा, इंग्लैंड एक बहुत ही खतरनाक टीम है। वे अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेल सकते हैं। उनका आगे जाना दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो बड़े खेलों पर निर्भर करता है। इसमें से इंग्लैंड को कम से कम एक जीतना होगा। उन्होंने विस्तार से बताया कि यह बिल्कुल भी सबसे खराब स्थिति नहीं है।

वॉन ने कहा कि कैरीबियाई पिचों की धीमी प्रकृति के कारण सुपर आठ चरण में लेग स्पिनर आदिल राशिद इंग्लैंड के लिए अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जाएंगे और वह विपक्षी स्पिनरों के खिलाफ टीम की कमान संभालने के लिए मोईन अली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के अंतिम चरण में स्पिन एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है, क्योंकि हम कुछ इस्तेमाल की गई पिचों पर खेलते हैं, खासकर दिन के खेलों में। खेल के साथ आदिल राशिद अधिक से अधिक महत्वपूर्ण होते जाएंगे।

यूरो 2024 : पुर्तगाल ने चेक गणराज्य को हराकर जीत के साथ किया आगाज

लीपजिग । स्टॉपेज टाइम में सब्स्टीट्यूट फांसिस्को कोंसिकाओ के गोल की मदद से पुर्तगाल ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। मैदान पर 90वें मिनट में उतरे कोंसिकाओ ने 92वें मिनट में गोल दागा। चेक गणराज्य के लिए लुकास प्रोवोड ने 62वें मिनट में गोल दागा। इसके आठ मिनट बाद पुर्तगाल के लिए रानाक ने रिबाउंड पर बराबरी का गोल किया। इससे करीब 24 साल पहले कोंसिकाओ के पिता सर्जियो ने हैट्रिक लगाकर गत चैम्पियन जर्मनी को यूरो 2000 से बाहर किया था। छह यूरो चैम्पियनशिप खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। वह पुर्तगाल के लिये टूर्नामेंट के इतिहास में 14 गोल कर चुके हैं।

इगोर स्टिमैक की बर्खास्तगी के बाद एआईएफएफ को नए हेड कोच की तलाश, मांगे आवदेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इगोर स्टिमैक की मुख्य कोच पद से बर्खास्तगी के बाद नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। बोर्ड ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए आवेदन की जानकारी शेयर की। दरअसल, हाल ही में हुए फीफा वर्ल्ड कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआीएफएप ने स्टिमैक को हेड कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार झेली। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

नए युग की हो रही शुरुआत

स्टिमैक और पूर्व भारतीय कप्तान सुनील छेत्री के संन्यास के बाद भारतीय फुटबॉल युग की नई शुरुआत होने जा रही है। पूर्व मुख्य कोच स्टिमैक की बर्खास्तगी से टीम में बदलाव की लहर शुरू हो गई है। फीफा रैंकिंग में 121वें स्थान पर काबिज भारतीय टीम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए काफी संघर्ष करना है। फिलहाल वर्ल्ड कप का सपना उनकी पहुंच से दूर है।

वहीं एआईएफएफ की तरफ से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि, इस पद का प्राथमिक उद्देश्य फीफा वर्ल्ड कप / एएफसी एशियाई कप/ एसएएफएफ चैंपियनशिप और एएफसी अंडर-23 चैंपियनशिप के लिए योग्ता के सात कई मैचों और प्रतियोगिताओं के लिए सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम और अंडर-23 पुरुष राष्ट्रीय टीम का चयन, निगरानी और तैयारी करना है और प्रमुख लक्ष्यों में एशियाई खेल 2026 में उल्लेखनीय तैयारी और प्रदर्शन करना है। एआईएफएफ ने साफ किया है कि उन्हें इस पद के लिए ऐसे व्यक्ति की तलाश है जिसके पास 10-15 साल का कोचिंग का अनुभव हो। इसके अलावा ऐसे खिलाड़ी को प्राथमिकता दी जाएगी जिसके पास पहले से ही राष्ट्रीय टीम की कोचिंग का अनुभव है।

कोच दिनेश लाड के कारण यहां तक पहुंचा हूं : हरमीत

न्यूयार्क । अमेरिकी टीम ने अपने पहले ही टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। अमेरिकी टीम में भारतीय मूल के कई खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने अपने प्रदर्शनन से टीम को जीत दिलायी है। इन्हीं में शामिल बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय कोच दिनेश लाड को दिया है। लाड भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के भी कोच रहे हैं। हरमीत ने अमेरिका जाने से पहले दो अंडर-19 विश्व कप में भारत की ओर से खेला था। इसके बाद आगे अवसर नहीं मिलने के कारण वह अमेरिका चले गये थे। हरमीत ने कहा, 'मैं यहां तक पहुंचने में मेरा साथ देने वाले सभी लोगों और विशेष रूप से कोच लाड का आभारी हूं। उन्होंने सबसे पहले मेरी प्रतिभा को पहचाना। वह मेरे स्कूल के दिनों में कोच और मेंटर थे। उन्होंने कहा, 'असल में उन्होंने ही मुझे अपने स्कूल में शामिल होने की सलाह दी थी। वहां उन्होंने मुझे वह सब कुछ उपलब्ध कराया जो उनके नियंत्रण में था। हरमीत ने कहा कि ऐसे कोच के बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच सकता था। उन्होंने कहा, 'मैंने स्वामी विवेकानंद स्कूल में दाखिला लिया। हमने कई रिकॉर्ड तोड़े, तब उपनगरों में क्रिकेट प्रचलित नहीं था, मैंने स्कूल में जो कुछ भी हासिल किया, वह कोच लाड के सहयोग के बिना संभव नहीं था। साथ ही कहा, ' उन्होंने हमने सिखाया और पद्माकर शिवालकर सर तथा प्रवीण आमरे सर के अंतर्गत बेहतर प्रशिक्षण के लिए भी भेजा।

टी20 वर्ल्ड कप में मार्कस स्टोइनिस का बड़ा कमाल, दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के बीच ऑस्ट्रेलिया ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने बड़ा कारनामा किया है। दरअसल, वह टी20 फॉर्मेट में दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गये हैं। टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 राउंड की शुरुआत से पहले स्टोइनिस ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ये मुकाम हासिल किया।

मार्कस स्टोइनिस का कमाल

ग्रुप राउंड में स्टोइनिस ने गेंद और बल्ले दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। स्टोइनिस ने ग्रुप राउंड में ओमान के खिलाफ नाबाद 67 रन बनाए और साथ ही तीन विकेट भी झटके। इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 30 रन बनाए और एक विकेट झटका। नामीबिया के खिलाफ स्टोइनिस ने केवल 9 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। वहीं, स्कॉटलैंड के अहम समय पर 59 रन की पारी खेली और अपनी टीम को बड़े उलटफेर से बचाया।

स्टोइनिस ने अफगानिस्तान के ऑलाराउंडर मोहम्मद नबी को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया। स्टोइनिस अब 213 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पिछड़ गए हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर पहुंचे गए हैं। वहीं जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा चौथे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि भारत के हार्दिक पंड्या भी आठवें से सातवें स्थान पर खिसक गए हैं।

अकील हुसैन की बड़ी छलांग

गेंदबाजों की बात करें तो आदिल रशीद पहले स्थान पर काबिज हैं। हालांकि, वेस्टइंडीज के अकील हुसैन ने 6 स्थानों की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। हुसैन ने ग्रुप राउंड के चार मैचों में 9 विकेट झटके हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दूसरे स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान, साउथ अफ्रीका एनरिक नॉर्खिया भी एक स्थान नीचे आ गए हैं।

जिला स्तरीय एलर्जी, सिकल सेल निदान, उपचार एवं जागरूकता कार्यक्रम मांडवी हाई स्कूल में आयोजित हुआ

सूरत।

राज्य सरकार द्वारा हर साल 19 जून को सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम के तहत च्विश्व सिकल सेल दिवसज्ज मनाया जाता है, जिसके तहत जिले की स्वास्थ्य शाखा द्वारा सभी बीमारियों और सिकल सेल का जिला स्तर पर निदान किया जाता है। पंचायत में मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल पटेल की उपस्थिति में उपचार एवं जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर 300 विद्यार्थियों की सिकल सेल एनीमिया की जांच की गई।

इस अवसर पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रोग है, जो विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में प्रचलित है। यह बीमारी दक्षिण गुजरात के आदिवासी इलाकों में चौधरी, वसावा, गमीत सहित अन्य आदिवासी जातियों में देखी जाती है। आदिवासी इलाकों में शादी करते समय सिकल सेल टेस्ट कराना चाहिए. सिकल सेल व्यापार और सिकल सेल रोग वाले जोड़ों से शादी न करके सिकल सेल को रोका जा सकता है। शादी करते समय कुंडली न दिखाएं तो चलेगा, लेकिन सिकल सेल टेस्ट कराना जरूरी है, तभी अगली पीढ़ी सिकल सेल मुक्त होगी। यदि सिकल सेल हो गया है, तो इसका शीघ्र निदान किया जाना चाहिए। यदि समय पर दवाओं का उपयोग किया जाए तो सिकल सेल संकट से बचा जा सकता है। पहले से दवा और उचित इलाज कराने से इस बीमारी पर काबू पाया जा सकता है।

आगे उन्होंने कहा कि इस बीमारी की गंभीरता को देखते हुए मरीजों की परेशानी दूर करने और सिकल से बचाव के लिए प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से देश के 17 राज्यों में वर्ष 2023 में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 शुरू किया गया था. कोशिका रोग को अगली पीढ़ी तक फैलने से रोकने में योगदान देता है।

कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया के नियंत्रण पर लघु फिल्म का प्रदर्शन कर लोगों को जागरूक किया गया.

इस अवसर पर तालुका विकास अधिकारी श्री रवीन्द्र सोलंकी, जिला पंचायत सदस्य अनिल चौधरी एवं बिपिन चौधरी, महामारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशिक मेहता, पंचायत कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश चौधरी, मांडवी नगर पालिका उपाध्यक्ष संध्याबेन चौधरी, नेता, छात्र एवं नगरवासी उपस्थित थे।

ऑलपाड तालुका के कपासी गांव में ऐतिहासिक हनुमान मंदिर में एक योग प्रोटोकॉल शिविर आयोजित किया गया

सूरत।

युवा कार्यक्रम मंत्रालय के तहत नेहरू युवा केंद्र-सूरत और प्रशासनिक प्रभाग-ओलपाड की संयुक्त पहल के तहत कापसी गांव के स्वयंसिद्ध हनुमान मंदिर में 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत एक योग शिविर का आयोजन किया गया। खेल, केंद्र सरकार। हनुमान मंदिर एक ऐतिहासिक स्थान है जहां लोगों ने योग करके एक अलग ही ऊर्जा का अनुभव किया। योग प्रशिक्षण प्रशिक्षक किशनभाई पटेल ने यहां योग का महत्व समझाया और अपील की कि सभी लोग योग को अपने जीवन में अपनाएं और स्वस्थ रहें। इस अवसर पर सरपंच, तलाटी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाडी बहनें, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सफाई कर्मचारी, प्रा. विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-छात्र, नेहरो युवा केन्द्र के स्वयंसेवक/युवा समूह एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

चूहा नियंत्रण योजना के तहत सूरत जिले में कृषि भूमि में बेट रखने का कार्य प्रारंभ

सूरत।

राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में एजीआर 02 चूहा नियंत्रण योजना के तहत सूरत जिले में कृषि उत्पादन में गिरावट और लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम के लिए खरीफ-2024 सीजन में चूहा नियंत्रण अभियान शुरू किया गया है. जिले की सभी चीनी मिलों के माध्यम से चूहा नियंत्रण चमगादड़ खरीदने के बाद, कृषि शाखा द्वारा पूरे सूरत जिले के सभी जरूरतमंद गांवों में जीवित दर पर चमगादड़ लगाने का कार्य जिला कृषि अधिकारी सतीश गमीत के हाथों शुरू किया गया। इसके अलावा तालुका के अधिकारियों ने अपने तालुका में बल्लियां रखनी शुरू कर दी हैं. जिले में फसल उत्पादन में गिरावट को रोकने के लिए अनुमानित कुल 958 28 हेक्टेयर क्षेत्र को गन्ना और अन्य फसलों द्वारा कवर किया जाएगा। सर्वेक्षण किए गए गांवों की कृषि भूमि में बेधक कीटों के नियंत्रण के लिए जहर से बने केक बिस्कुट, चावल के आटे के पाउडर को बेधक दर के आसपास या जहां बेधक का प्रकोप अधिक हो, वहां रखा जाता है। जिसे उस गांव के सरपंच/तलाटी/ग्रामसेवक और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा एक अभियान के रूप में चलाया गया है। यह कार्य तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा। इसलिए सूरत जिला कृषि अधिकारी द्वारा सभी किसानों से सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

वेलस्पन फाउंडेशन ने कच्छ और वलसाड जिलों में लोगों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

सुरत भुमि, सूरत।

हाल ही में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया और वेलस्पन फाउंडेशन ने अपनी वेल-प्रकृति परियोजना के तहत कच्छ और वलसाड जिलों के 40 गांवों में 11,000 पेड़ लगाने का अभियान शुरू करने के लिए इसके साथ साझेदारी की। इतनी बड़ी संख्या में पौधे बांटने के पीछे का उद्देश्य अगली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ-साथ एक हरा-भरा और मजबूत भविष्य बनाना है।

वेलस्पन फाउंडेशन वेलस्पन वर्ल्ड की सीएसआर कार्य इकाई है। जो ग्रामीण भारत के विभिन्न क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए काम करता है। वेलस्पन फाउंडेशन शिक्षा (वेलशिक्षा), स्वास्थ्य (वेलस्वास्थ्य), आजीविका (वेलनेट्रुत्व), और पर्यावरण (वेलप्रकृति) पर ध्यान केंद्रित करता है और साथ ही न केवल हितधारकों बल्कि समाज के व्यापक समूह की सेवा करने का प्रयास करता है। वेलस्पन फाउंडेशन ने इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लेकर इस दिशा में एक मजबूत पहल की है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तहत 1973 से पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस की घोषणा की गई। इस वर्ष, सफॉरनेचर थीम के तहत, पर्यावरण और मानव कल्याण के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है।

वृक्षारोपण कार्यक्रम 40 गांवों में चल रहा है जिसमें ग्राम पंचायतें, स्कूल परिवार, सखी मंडल, किसान और ग्रामीण सामुदायिक स्थानों और दरवाजे पर वृक्षारोपण कर रहे हैं, सरकारी इकाइयां, वेलस्पन स्वयंसेवक और वेलस्पन फाउंडेशन के सहयोगी संगठन भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं कार्यक्रम के लिए वेलस्पन फाउंडेशन का मानना है कि सामूहिक प्रयासों और सार्थक कार्रवाई के माध्यम से, हम सभी भविष्य की पीढ़ियों के लिए ग्रह को बचा सकते हैं।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक और स्लाविया की नई मूल्य प्रस्ताव की घोषणा की

स्कोडा ऑटो इंडिया ने ब्रैंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की अपनी पहलों को जारी रखते हुए, सीमित अवधि के लिए कुशाक और स्लाविया की नई कीमतों की घोषणा की है। इससे उपभोक्ताओं की स्कोडा ऑटो इंडिया की उन गाड़ियों तक पहुंच बढ़ी है, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग दी गई है और जो कार में बैठे वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित हैं।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनबा ने कहा, च्हम भारत में लगभग 25 सालों से है और इस मार्केट को लेकर हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। हम अपने प्रॉडक्ट में लगातार नए फीचर्स पेश करने के लिए तत्पर रहते हैं और इसी के अनुसार कदम उठाते हैं। हमने 2025 के लिए प्लान की गई ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की है। इसलिए हमने यह सोचा है कि इस नई कार के साथ हम नए बाजारों में जाएंगे, युवा ग्राहकों तक पहुंच बनाएंगे और ब्रांड की पहुंच बढ़ाने की कोशिश करेंगे। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से हमारे लिए नए बाजारों के दरवाजे खुलेंगे। हमने कुशाक और स्लाविया में कुछ एफिशिएंसीज भी हासिल की हैं, और इसकी वजह से हमने अपनी गाड़ियों के मूल्य को बढ़ाएं हैं और लाभों को उपभोक्ताओं एवं फैंस तक पहुंचाया है।''

कुशाक और स्लाविया, जो पहले एक्टिव, एंबिशन, और स्टाइल वैरिएंट में उपलब्ध थे, अब उनका नाम बदलकर क्लासिक, सिग्नेचर और प्रेस्टीज कर दिया गया। इन तीनों वैरिएंट्स के अलावा कुशाक ओनिक्स को कारों के लाइनअप के वैल्यू एंड और मोंटे कार्लो को प्रीमियम एंड पर पेश किया गया है।

नई कीमतें कुशाक के सभी इंजन और ट्रांसमिशन विकल्पों पर और स्लाविया के चुनिंदा वैरिएंट्स पर लागू होंगी। दोनों कारें सिक्स-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक के साथ 1.0 टीएसआई पेट्रोल और सिक्स स्पीड मैनुअल और सेवन स्पीड डीएसजी के साथ 1.5 टीएसआई पेट्रोल इंजन से पावर्ड हैं। कुशाक और स्लाविया स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग्स के साथ आती है और इसे ग्लोबल एनसीएपी टेस्ट के तहत वयस्कों एवं बच्चों के लिए पूरे 5-स्टार मिले हैं। यह सुरक्षा पर ब्रांड के अडिग नजरिये को दर्शाता है।

स्कोडा के मॉडल, वैरिएंट्स, इंजन और ट्रांसमिशन की पसंद के आधार पर उपभोक्ता 10 फीसदी का लाभ हासिल कर सकते हैं। उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा लाभ कुशाक मोंटे कॉर्लो पर मिलेगा, जिसे अब बेहद शानदार किफायती कीमत पर दिया जा रहा है, जबकि स्लाविया की कारों तक उपभोक्ताओं की पहुंच और बढ़ी है। यह नई कीमतें उपभोक्ताओं और फैंस को कार का रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस कराते समय अतिरिक्त कटौती का लाभ लेने में सक्षम बनाएंगी। इससे सभी कारों से उपभोक्ताओं को होने वाला लाभ और बढ़ जाता है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने हाल ही में कार के सभी वैरिएंट्स के लिए स्टैंडर्ड क्वॉलिटी के छह एयरबैग्स लॉन्च किए हैं। कंपनी ने नई कीमतें तय करते हुए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखा है। इसमें उपभोक्ताओं को अन्य सुविधाओं समेत कई प्रीमियम फीचर्स जैसे वेंटिलेटेड सीट्स, इलेक्ट्रिक सीट एडजस्ट, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले, 25.4 सेमी का इन कार एंटरटेनमेंट सरफेस और डिक्की में सबवूफर मिलता है।

कस्टमाइज्ड और खास ऑफर्स

उपभोक्ताओं को कुशाक और स्लाविया की नई कीमतों में ग्राहकों को पूरी आजादी मिलेगी। वे अपनी जरूरतों के मुताबिक अपनी पसंदीदा गाड़ी चुन सकते हैं। इन विशेषताओं को तीन बड़े स्तंभों में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसमें पहला आकर्षक कीमत के मोर्चे पर मिलने वाला लाभ है, जिसे उपभोक्ता हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा उपभोक्ताओं को ऑफ्टर सेल्स ऑफर्स, मैंटेनेंस पैकेज और स्वामित्व की कुल लागत का लाभ मिलता है। और तीसरे सेल से होने वाले लाभ के अलावा अन्य मूल्य वर्धित सेवाओं का फायदा लिया जा सकता है।

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन ने इनोवेशन फॉर इंडिया अवार्ड्स के 10वें संस्करण के लिये आवेदन आमंत्रित किये

मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (एमआईएफ), भारत में असरदार नवाचारों को बढ़ावा देने में सबसे अग्रणी, ने आज अपने द्विवार्षिक 'इनोवेशन फॉर इंडिया अवार्ड्स' के 10वें संस्करण के लिये आवेदन आमंत्रित करने की घोषणा की है। 2006 में स्थापित, यह प्रतिष्ठित मंच भारत के उन पहले मंचों में से एक था, जो महत्वपूर्ण नवाचारों को पहचान और सहयोग देने के लिये समर्पित हैं। ऐसे नवाचार, जिनमें बड़े पैमाने पर सकारात्मक सामाजिक, पर्यावरणीय एवं आर्थिक प्रभाव लाने करने की क्षमता हो। 10वें संस्करण की इस उपलब्धि का जश्न मनाते हुए, फाउंडेशन ने नवाचार को बढ़ावा देने की विरासत को दिखाया है। यह फाउंडेशन बदलाव लाने वाले परिवर्तन को प्रेरित करने का अपना मिशन जारी रखने के लिए तत्पर है।

पुरस्कारों के 10वें संस्करण में दो श्रेणियों के नवाचारों पर रोशनी डाली जाएगी। बिजनेस कैटेगरी में लाभकारी संस्थाएं शामिल हैं, जैसे कि भारतीय स्टार्टअप्स। सोशल कैटेगरी में गैर-लाभकारी संस्थाएं हैं, जैसे कि सरकारी निकाय, परोपकारी उपक्रम, चैरिटेबल ट्रस्ट, बहुपक्षीय अभिकरण, सामुदायिक फाउंडेशन, एनजीओ और सीएसआर/ कॉर्पोरेट फंड्स।

ऐप्लीकेशन विंडो 17 जून, 2024 से 17 जुलाई, 2024 तक खुला है। नवाचार करने वाले ज्यादा से ज्यादा लोग ऑफिशियल वेबसाइट के माध्यम से अपनी एंट्री जमा करा सकते हैं। इसके बाद इनोवेशन फॉर इंडिया अवार्ड्स के लिये मूल्यांकन की प्रक्रिया अगस्त 2024 से मार्च 2025 तक आठ महीने चलेगी। इसमें हर कैटेगरी के लिये एक स्वतंत्र जूरी द्वारा मूल्यांकन के दो राउंड और एक स्वतंत्र नॉलेज पार्टनर द्वारा जमीनी-स्तर पर विस्तृत प्रयास शामिल होगा। दोनों कैटेगरीज की जूरी में भारत के व्यवसाय एवं सामाजिक क्षेत्रों से आने वाले कुछ सबसे प्रतिष्ठित दिग्गज शामिल हैं। इनमें बेन कैपिटल इंडिया के चेयरपर्सन और एटीई चंद्रा फाउंडेशन के सह-संस्थापक अमित चंद्रा (जूरी चेयर), लेडीज हू लीड की संस्थापक और भूतपूर्व पत्रकार आभा बाकाया, नैस्कॉम के प्रेसिडेंट देबजानी घोष, सेल्को फाउंडेशन की निदेशक हुदा जाफर और एज्युकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन शामिल हैं। पुरस्कार के लिये आवेदनों का मूल्यांकन नवाचार, प्रभाव, विस्तार की योग्यता एवं लंबी अवधि की सुविधा जैसे मापदण्डों पर होगा। मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन के फाउंडर श्री हर्ष मारीवाला ने कहा, "इनोवेशन फॉर इंडिया अवार्ड्स के 10वें संस्करण के लिये हमने तरह-तरह के नवाचारों की श्रृंखला को खोजने की अपनी प्रतिबद्धता को नयापन दिया है। और उन्हें पूंजीगत सहयोग देने के अलावा तरक्की करने और देश में सकारात्मक बदलाव लाने का मौका देने के लिये भी हम प्रतिबद्ध हैं। हम बदलाव लाने वाले ऐसे नवाचार दिखाने की अपनी विरासत पर नजर डाल रहे हैं, जिन्होंने देश पर उल्लेखनीय असर डाला है।"

एयरटेल डीटीएच के साथ अपने घर पर आराम से योग दिवस मनाएं

गुजरात। 21 जून फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक रोमांचक और स्वस्थ सप्ताहांत का वादा करता है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव का प्रतीक है। इस वर्ष, एयरटेल डिजिटल टीवी भक्ति चैनल (एलसीएन 674) पर सद्गुरु के ईशा फाउंडेशन से एक विशेष लाइव सत्र की पेशकश करता है, जो लोगों को योग के लाभों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ग्राहक इन चैनलों को अपने डीटीएच पैक में एक्सेस/जोड़ सकते हैं- 9154052674 पर मिस्ड कॉल देकर, एयरटेल थैंक्स ऐप पर, सर्विसेज पर क्लिक करें, डीटीएच अकाउंट चुनें, आप प्लान ऐड ऑन का चयन कर सकते हैं और मैनेज पर क्लिक करके, एलसीएन 674 पर नेविगेट करके एक्सट्रीम सेट-टॉप बॉक्स और एयरटेल भक्ति मात्र रु. 49 एयरटेल डीटीएच ग्राहकों को च्ऐडज्ज पर क्लिक करके जब भी चाहें लाइव प्रोग्राम को रोकने, चलाने और रिकॉर्ड करने की अनुमति देता है।

गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल बोर्ड मीटिंग की घोषणा

गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड ने बीएसई को सूचित किया है कि कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए 8 जुलाई, 2024 को कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक निर्धारित की गई है। शेयरधारकों की मंजूरी के आधार पर निर्णय लिये जायेंगे। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने और इसके परिणामस्वरूप कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के पूंजी खंड में संशोधन पर भी विचार किया जाएगा।

कंपनी की प्रतिभूतियों में लेनदेन के लिए ट्रेडिंग विंडो 19 जून, 2024 के कार्य समय से लेकर बोर्ड बैठक के समापन के 48 घंटे बाद तक यानी 10 जुलाई, 2024 को दिन के अंत तक बंद रहेगी। कंपनी बुने हुए कपड़े और परिधानों के निर्माण और आपूर्ति में लगी हुई है। इसके उत्पादों में बच्चों के परिधान, पुरुषों के परिधान, महिलाओं के परिधान, सभी आयु वर्ग के लड़कों और लड़कियों के परिधान शामिल हैं।

गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड के बारे में :

गारमेंट मंत्रा एक ऐसी कंपनी है जो भारतीय आबादी की फैशन और जीवनशैली संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करती है। कंपनी के प्रमोटरों के पास कपड़ा उद्योग में 3 दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। गारमेंट मंत्रा के 3 व्यावसायिक प्रभाग हैं। गारमेंट मंत्रा परिधान निर्माण और बुने हुए कपड़ों के साथ-साथ बुने हुए कपड़ों दोनों की बिक्री के व्यवसाय में लगी हुई है। इसकी विनिर्माण सुविधाएं तिरुपुर "भारत के निट सिटी" में स्थित हैं। कंपनी की पूरी श्रृंखला में लगभग 5,000 उत्पाद शामिल हैं और यह मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं पर लक्षित है, जो घरेलू आबादी का लगभग 70% हैं। कंपनी के उत्पाद थोक विक्रेताओं और वितरकों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से पूरे भारत में उपलब्ध हैं। परिधान मंत्र उत्पाद की गुणवत्ता से समझौता किए बिना उत्पाद की किफायती कीमत पर जोर देता है। गारमेंट मंत्रा का एक अनूठा व्यवसाय मॉडल है जो एक प्रमुख राजस्व और विकास चालक होगा; आपूर्ति और पूर्ण चयन- थोक और खुदरा कपड़ा अधिशेष मॉडल देश भर के थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं के साथ और अंतरराष्टीय बाजारों से कपड़ा अधिशेष स्रोत तक निपटना इस व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा छोटे असंगठित खिलाड़ियों के पास है जिनकी स्थानीय और अंतरराष्टीय स्तर पर बड़े बाजारों तक सीमित पहुंच है। गारमेंट मंत्रा स्तर पर मजबूत नेटवर्क है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)